RNI.NO.CHHHIN/2014/57158

दैनिक छत्तीसगढ़िया

स्वाभिमान

वर्ष : 16 ● अंक- 282 संस्थापक : अजय वर्मा

रायपुर, रविवार 28 सितंबर, 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2.00

सुविचार

सबेरे उनके लिये नहीं होते जो जीवन में कुछ भी पाने की उम्मीद छोड़ चुके हैं उजाला तो उनका होता है जो बार बार हारने के बाद भी कुछ पाने की उम्मीद रखते हैं

छठवां स्वरूप कात्यायनी

सूक्ष्म जगत जो अदृश्य, अव्यक्त है, उसकी सत्ता मां कात्यायनी चलाती हैं। वह अपने इस रूप में उन सब की सूचक हैं, जो अदृश्य या समझ के परे है। मां कात्यायनी दिव्यता के अति गुप्त रहस्यों की प्रतीक हैं।

तमिलनाडु में एक्टर विजय की रैली में भगदड़

● 22 लोगों की मौत, इनमें बच्चे शामिल; करूर में TVK की रैली थी

नमक्कल (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में भगदड़ मच गई। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री एम ए सुब्रमणियन ने बताया कि हादसे में 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें कई बच्चे भी शामिल हैं। हादसे में 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। तमिलगा वेट्री कज़गम प्रमुख और एक्टर विजय की रैली में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि वहां पर हालात बिगड़ने लगे। अभिनेता से नेता बने विजय लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों के बेहोश हो जाने से उन्हें अपना भाषण बीच में छोड़कर रैली से निकल

गए। शनिवार को विजय की रैली में हजारों की भीड़ पहुंची थी। एक्टर विजय बस पर चढ़कर भाषण दे रहे थे, तभी भगदड़ मची। बताया जाता है कि भीड़ इतनी ज्यादा हो गई थी कि लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया। अचानक से वहां मौजूद लोग और कार्यकर्ता बेहोश होने लगे। इसके बाद अभिनेता विजय ने अपना भाषण रोक दिया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करने लगे। उन्होंने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध किया कि वह जरूरतमंदों की मदद करें और उन्हें एंबुलेंस तक पहुंचाएं।

यूएनएससी में भारत को बड़ी जिम्मेदारी देने का समर्थन

● अमेरिका से झगड़े के बीच चीन और रूस का बड़ा ऐलान

न्यूयॉर्क/बीजिंग (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ युद्ध के बीच चीन ने चौंकाते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत और ब्राजील को ज्यादा जिम्मेदारी देने का समर्थन कर कर दिया है। रूस के साथ

साथ चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत और ब्राजील की सुरक्षा परिषद में ज्यादा भूमिका निभाने की आकांक्षाओं का समर्थन किया है। ये काफी महत्वपूर्ण है और बदलते जियो-पॉलिटिक्स को दिखाता है। ब्रिक्स देशों ने इस संयुक्त दृष्टिकोण को अपनी रियो डी जेनेरियो घोषणा में शामिल किया था, जिसमें वैश्विक शासन में सुधार और ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया था। आपको बता दें कि न्यूयॉर्क में यूएन महासभा की 80वीं बैठक से इतर ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का भी आयोजन किया।

बीजेपी को जिताने का दम नेताओं में नहीं कार्यकर्ताओं में है

बिहार के अररिया में अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को बताया मालिक

समस्तीपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अररिया में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहकर संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि, सभी दल नेताओं के आधार पर चुनाव जीतते हैं सिर्फ हमारी पार्टी

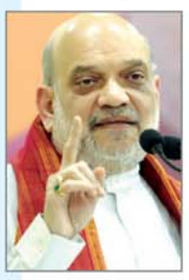

ऐसी है कि जिसको चुनाव जिताने का दम नेताओं में नहीं कार्यकर्ताओं में होता है। लालू और राहुल जी के लिए चुनाव अपनी पार्टी तो जिताने के लिए चुनाव होता है। हम सब बीजेपी पार्टी वालों के लिए चुनाव घुसपैठियों को बाहर करने वाला चुनाव है। इस बार एनडीए को एक तिहाई बहुमत से हमें जिताइए। मैं वादा करता हूं घुसपैठियों को ढूंढ-ढूंढ कर भगा दूंगा। हमारे लिए ये चुनाव बिहार को बाढ़ से मुक्ति करने का चुनाव है। बिहार वालों को इस बार 4 दीवाली मनानी है। पहली दीवाली राम जब अयोध्या लौटेंगे उस दिन होगी। दूसरी दीवाली कल ही मोदी जी ने जीविका दीदियों के खातों में 10-10 हजार देकर मना दी। तीसरी दिवाली जीएसटी में 350 चीजों के दाम घटाकर मना दी।

मौलाना भूल गया, यूपी में अब किसका शासन है

● बरेली बवाल पर गरजे सीएम योगी, मौलाना तौकीर रजा गिरफ्तार

● कहा-ऐसा सबक सिखाएंगे, तुम्हारी पीढ़ियां दंगे करना भूल जाएंगी

बरेली (एजेंसी)। यूपी के बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' को लेकर बवाल के बाद पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। इत्तेहादे मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा समेत 8 लोगों को बरेली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 39 लोगों को हिरासत में लिया है। मौलाना को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया

गया है। इसके अलावा, 2000 अज्ञात लोगों पर 5 थानों में मुकदमे दर्ज किए हैं। वहीं, 10 मुकदमों में 7 में तौकीर रजा का नाम है। इधर, सीएम योगी ने एक कार्यक्रम में कहा-मौलाना भूल गया कि शासन किसका है। वो मानता था कि धमकी देंगे और जबरदस्ती जाम कर देंगे। हमने कहा कि जाम नहीं होगा। कर्फ्यू भी नहीं लगने देंगे। ऐसा सबक सिखाएंगे कि तुम्हारी आने वाली पीढ़ियां दंगे करना भूल जाएंगी।

दरअसल, शुक्रवार को मौलाना तौकीर रजा की अपील पर ही भीड़ सड़क पर उतर आई थी। पुलिस ने रोका तो पथराव कर दिया था। इसके पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इधर, लखनऊ की सड़कों पर नए होर्डिंग लगवा दिए गए हैं। इन पर लिखा है- आई लव श्री योगी आदित्यनाथ जी और आई लव बुलडोजर।

सिखों पर टिप्पणी राहुल पर वाराणसी में चलेगा केस

अमेरिका में बोले थे-

क्या सिख को भारत में पगड़ी-कड़ा पहनने का अधिकार है

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। अब उनके खिलाफ सिखों पर टिप्पणी मामले में वाराणसी कोर्ट में मुकदमा चलेगा। दरअसल, पिछले साल अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी ने कहा था- लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी और कड़ा पहनने का अधिकार है। राहुल के इस बयान के खिलाफ नागेश्वर मिश्रा ने वाराणसी की मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने एमपी/एमएलए कोर्ट में दोबारा याचिका दायर की, जिसे 21 जुलाई, 2025 को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

गुरुग्राम में भीषण हादसा

5 लोगों की मौत

● मरने वालों में यूपी के जज की बेटी भी शामिल

● हाथों में क्लब के बैंड मिले, कुल 6 लोग थे सवार

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में अलसुबह दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार थार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया है। यूपी नंबर की इस काले रंग की

थार में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें तीन युवक और तीन युवतियां थीं। हादसे में दो युवक और तीन युवतियों की मौत हुई है। वहीं एक मृत युवती की पहचान प्रतिष्ठा मिश्रा के रूप में हुई है जो रायबरेली के जज चंद्रमणि मिश्रा की बेटी हैं। घटना की सूचना मिलते ही गुरुग्राम पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच शुरू कर दी।

बिहार के मुंगेर में कब्रिस्तान की घेराबंदी पर जमकर बवाल

● गोलीबारी और पथराव से भारी तनाव, युवक को लगी गोली

ईंट-पत्थर चले, भारी फोर्स तैनात, वीडियो भी सामने आया

मुंगेर (एजेंसी)। मुंगेर में शनिवार को कब्रिस्तान की बाउंड्री को लेकर 2 पक्षों में गोलीबारी हुई है। इसमें एक युवक घायल है। फायरिंग के बाद पथराव किया गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। घायल शख्स का नाम अंकुश कुमार है। वो फरदा गांव का रहने वाला है। उसे इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सफियाबाद थाना क्षेत्र स्थित फरदा गांव की है। ग्रामीण राकेश रंजन ने बताया कि बबलू मलिक और उसके परिजनों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई। लगभग 50 राउंड गोली चली है।

गोलीबारी के बाद गुस्साए लोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सफियाबाद-लखीसराय नेशनल हाईवे को बांक टोला फरदा गांव के पास जाम कर दिया है। फायरिंग में घायल अंकुश के परिजन ने बताया कि, बेटा दूसरे प्रदेश में रहकर मजदूरी करता है। आज ही वह सुबह दिल्ली से आया था। दिल्ली से आने के बाद वह अपने गांव के पास गंगा स्नान करने गया था। वापस घर लौट रहा था तभी उसे गोली लग गई। युवक के बाएं पैर में गोली लगी है,जो हड्डी को चीरते हुए निकल गई है।

हरियाणा में अब एग्रीकल्चरल लैंड पर भी लगेगा डेवलपमेंट चार्ज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में पहली बार शहरों के आसपास कृषि क्षेत्रों में भी एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज लगेगा। ये चार्ज तब लगेगा जब इन इलाकों में कोई कॉमर्शियल काम होगा, जैसे पेट्रोल पंप, स्कूल या अस्पताल का निर्माण। अभी तक ये चार्ज सिर्फ शहरों की जमीन पर ही लगता था। शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने

मंजूरी के लिए ये प्रस्ताव सीएम के पास भेज दिया है। इस प्रस्ताव को आने वाली कैबिनेट की मंजूरी के लिए मीटिंग में भी रखा जाएगा। इसके लागू होते ही टाउन कंट्री प्लानिंग के तहत नोटिफाइड एरिया के अंतर्गत आने वाले कृषि क्षेत्र में हर कॉमर्शियल एक्टिविटी में चार्ज वसूला जाएगा। राज्य में अभी सिर्फ नगर निगमों, परिषदों और पालिका के एरिया में आने वाली लैंड पर ही वसूली की जाती है। कृषि क्षेत्र में पहले कॉमर्शियल एक्टिविटी के लिए सिर्फ चेंज ऑफ लैंड यूज का ही चार्ज लगता था।

लेह हिंसा पर पाकिस्तानी लिंक की शुरू हुई जांच

लगातार चौथे दिन कर्फ्यू, 3 दिन पहले हिंसा हुई थी

लेह (एजेंसी)। लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के आंदोलन चला रह पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनको भूख हड़ताल के दौरान लेह में हिंसक प्रदर्शनों के बाद उन्हें अरेस्ट करके जोधपुर जेल भेज दिया गया है, तो वहीं दूसरी तरफ अब लद्दाख के डीजीपी ने बड़ा बयान दिया हैं। उन्होंने कहा है कि सोनम वांगचुक के पाकिस्तानी लिंक की जांच की जा रही है। लद्दाख के डीजीपी ने बताया है कि सोनम वांगचुक को क्यों गिरफ्तार किया गया। लद्दाख के डीजीपी के अनुसार 24 सितंबर की हिंसा में 17 सीआरपीएफ जवान और 70 से ज़्यादा नागरिक घायल हुए हैं। डीजीपी ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान का पीआईओ सोनम वांगचुक के संपर्क में था। उसे अरेस्ट किया गया है। सरकार ने वांगचुक को लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा का जिम्मेदार बताया था। इस हिंसा में 4 युवकों की मौत हुई थी और 80 लोग घायल हुए थे।

कांग्रेस अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रही है

● मोदी बोले-हमने टैक्स घटाया, वो अब भी लूट में लगे ● 2जी के दौर को वह भूल गए, जब चुटकुले बनते थे

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को ओडिशा के झारसुगुड़ा पहुंचे। उन्होंने जनता को करीब 38 मिनट तक संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने आत्मनिर्भर भारत, जीएसटी बचत उत्सव, कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर बात की। पीएम ने कहा कि टेलीकॉम सेक्टर की शुरुआत हुई तो भारत पीछे रह गया था। सोशल मीडिया पर चुटकुले चलते थे। जाने क्या-क्या लिखा जाता था। अब भारत स्वदेशी 4जी टेक्नोलॉजी वाला पांचवां देश बन गया है। मोदी ने कांग्रेस शासित

राज्यों में जारी लूटतंत्र का भी जिक्र किया। पीएम ने कहा, केंद्र सरकार ने टैक्स घटा दिया, लेकिन हिमाचल में कांग्रेस सरकार जनता तक इसका लाभ नहीं पहुंचा रही है। वे अपना टैक्स लगाकर लूट में लगे हैं। अभी भी हरकत से बाज नहीं आ रहे। प्रधानमंत्री का 15 महीनों में छठा ओडिशा दौरा था।

उन्होंने 60 हजार करोड़ रुपए के कई बड़े रेल, एजुकेशन और हेल्थ प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की। साथ ही बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी टेक्नोलॉजी की शुरुआत की। हमने देश के लोगों को लाभ देने के लिए टैक्स कम किया, सीमेंट से भी टैक्स घटा। हम चाहते हैं लोगों को कम पैसा खर्च करना पड़े।

देश को कांग्रेस के लूट तंत्र से बाहर निकाला

हमने देश को कांग्रेस के लूट तंत्र से बाहर निकाला। भाजपा सरकार में डबल बचत और डबल कमाई का दौर आया है। कांग्रेस सरकार में 2 लाख की कमाई तक इनकम टैक्स देना पड़ता था। ये 2014 तक चलाया। जब आपने मुझे सेवा का मौका दिया तब हमने 12 लाख की सालाना कमाई टैक्स फ्री की। 22 सितंबर से देश में ओडिशा में जीएसटी के नए रिफॉर्म लागू हुए। इन सुधारों में आप सभी को जीएसटी बचत उत्सव का उपहार दिया है। माताओं के लिए रसोई चलाना और सस्ता हो गया है। जरूरत के दाम और कम हो गए।

किसानों से अनिवार्य अपील – लकड़ी की बिक्री हेतु शासन की अनुमति आवश्यक

प्रदीप मिश्रा जिला संवाददाता सरगुजा

सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के सभी किसान भाइयों को सूचित किया जाता है कि यदि आपके पास नीलगिरी, सेमर एवं अन्य इमारती लकड़ी है और आप उसे बेचना चाहते हैं, तो सर्वप्रथम एसडीएम सीतापुर से विधिवत परमिशन प्राप्त करना अनिवार्य है। बिना अनुमति लकड़ी की कटाई या बिक्री करना कानूनन अपराध है।हाल ही में बतौली क्षेत्र में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें बाहरी तथा स्थानीय लकड़ी तस्करों द्वारा बिना अनुमति के अवैध रूप से लकड़ी कटाई की गई। इस पर प्रशासनिक टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए ट्रक को ज़ब्त किया है। बताया गया है कि इस प्रकार की गतिविधियों में अक्सर किसानों को उनकी लकड़ी का उचित भुगतान भी नहीं किया जाता, साथ ही प्रशासनिक कार्यवाही के चलते किसानों को अलग से नुकसान झेलना पड़ता है।सभी किसानों से निवेदन है कि यदि आपके क्षेत्र में अनस खान, शब्बीर खान, प्रकाश वर्मा, जमील खान, लाला सिंह अथवा अन्य किसी भी व्यक्ति के द्वारा लकड़ी की खरीद-बिक्री की बात की जाती है, तो आप परमिशन दिखाए जाने की पुष्टि अवश्य करें एवं अग्रिम भुगतान प्राप्त करने के पश्चात ही लकड़ी बेचें।प्रशासन का सभी किसानों से अनुरोध है कि विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाकर अपने हित की रक्षा करें और अवैध तस्करी गतिविधियों से स्वयं को सुरक्षित रखें।

बकरा/बकरी चोरी करने वाले क्रेता सहित आधा दर्जन आरोपी गिरफ्तार

अजय वर्मा संवाददाता खरोरा

? थाना खरोरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम बिठिया में दिये थे बकरा/बकरी चोरी की घटना को अंजाम।

? प्रकरण में 05 आरोपियों एवं 01 क्रेता सहित कुल 06 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार।

? आरोपियों के कब्जे से चोरी की 08 बकरा/बकरी, नगदी रकम, 01 नग चारपहिया वाहन एवं 01 नग मोटर सायकल किया गया है जप्त।

? जप्त मशरूका की कुल कीमत है लगभग 6,50,000/- रूपये।

? आरोपी मोह. अशरफ कुरैशी, मोह. अकरम एवं मोह. ईरशाद कुरैशी पूर्व में भी बकरा/बकरी चोरी के प्रकरण में भिलाई दुर्ग से रह चुके है जेल निरूद्ध।

? आरोपियों के विरूद्ध थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 638/25 धारा 331(4), 305(ए), 238(ग), 317(2), 3(5) का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

? एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही।

विवरण - प्रार्थी गोविंद यादव ने थाना खरोरा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह ग्राम बिठिया खरोरा का निवासी है तथा बकरा/बकरी पालन करता है। दिनांक 15-16.09.25 की दरम्यानि रात्रि कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के घर के कमरे के दरवाजे में बाहर सांकल लगाकर बकरा/बकरी कोठा (कमरा) का ताला तोडकर अंदर प्रवेश कर 17 नग बकरा/बकरी को चार पहिया वाहन में भरकर चोरी कर ले गया, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात अरोपी के विरूद्ध थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 638/25 धारा 331(4), 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खरोरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये। अज्ञात आरोपी द्वारा घटना के दौरान उपयोग किये गये चारपहिया वाहन के संबंध में जानकारी एकत्र करने के साथ ही आरोपियों द्वारा भागने हेतु जिन मार्गो का उपयोग किया गया था, उन मार्गो में लगे सैकड़ो सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों को खंलागते हुये वाहन एवं आरोपियों को फालो किया जाकर अंततः आरोपियों को चिन्हांकित करने में सफलता मिली तथा प्रकरण में आरोपी मोह. अशरफ कुरैशी, मोह. अकरम, मोह. सरवर, मोह. ईरशाद कुरैशी एवं मोह. हुसैन को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा चोरी की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार करने के साथ ही चोरी की 08 बकरा/बकरी को अपने पास रखना तथा शेष 09 बकरा/बकरी को दुर्ग निवासी सोहेल खान के पास बिक्री करना बताया गया। जिस पर सोहेल खान की पतासाजी कर पकड़कर पूछताछ करने पर सोहेल खान द्वारा 09 बकरा/बकरी को काट कर बिक्री करना बताया गया।

सभी 06 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 08 बकरा/बकरी, घटना से संबंधित नगदी रकम 5,500/- रूपये, 01 नग जायलो चारपहिया वाहन एवं 01 नग मोटर सायकल जुमला कीमती लगभग 6,50,000/- रूपये तथा आलाजरब जप्त कर प्रकरण में धारा 238(ग), 317(2), 3(5) बी.एन.एस. जोड़ी जाकर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

आरोपी मोह. अशरफ कुरैशी, मोह. अकरम एवं मोह. ईरशाद कुरैशी पूर्व में भी बकरा/बकरी चोरी के प्रकरण में भिलाई दुर्ग से जेल निरूद्ध रह चुके है।

गिरफ्तार आरोपी-

01. मोह. अशरफ कुरैशी पिता सलीम कुरैशी उम्र 21 साल निवासी शिवाजी चौक वार्ड क्र. 24 चरौदा थाना भिलाई जिला दुर्ग।

02. मोह. अकरम पिता अब्दुल हसन कुरैशी उम्र 30 साल निवासी वार्ड क्र. 10 सिलयारी गायत्री मंदिर के पास पुलिस चौकी सिलयारी थाना धरसींवा रायपुर।

03. मोह. सरवर पिता मोह. सलीम उम्र 20 साल निवासी संगम चौक वार्ड क्र. 24 चरौदा थाना भिलाई जिला दुर्ग।

04. मोह. ईरशाद कुरैशी पिता मोह. ईजराइल उम्र 22 साल निवासी फरीद नगर निजामी चौक थाना सुपेला जिला दुर्ग।

छत्तीसगढ़ मानिकपुरी पनिका,पनका समाज का शपथ ग्रहण समारोह 26 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे मुख्य अतिथि

एच.डी. महंत=

रायपुर/छत्तीसगढ़ मानिकपुरी पनिका,पनका समाज के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 26 अक्टूबर 2025 को रायपुर में आयोजित किया जाना है। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया, जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया।

प्रदेश अध्यक्ष भारत दास मानिकपुरी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर शपथ ग्रहण समारोह की जानकारी दी। इस दौरान समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष गोपाल दास पड़वार, प्रदेश महासचिव नान्हीदास दीवान,उपाध्यक्ष कृष्णा दास बघेल, प्रदेश सचिव गोरेदास मानिकपुरी,महानगर अध्यक्ष मोती दास मानिकपुरी, युवा उपाध्यक्ष पवन दास, अधिवक्ता प्रशांत मानिकपुरी सहित कई वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक होगा,बल्कि आने वाले समय में सामाजिक एकता और समरसता को भी नया आयाम देगा। पदभार ग्रहण करने वाले नए नेतृत्व से समाज की सामाजिक,शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा न्यौता स्वीकार किए जाने पर समाजजनों में हर्ष का माहौल है। माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम से समाज के युवाओं और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। शपथ ग्रहण समारोह में प्रदेशभर से समाज के प्रतिनिधि और सदस्य बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचेंगे।

AISECT हसौद ने शिशुपाल पर्वत का शैक्षणिक भ्रमण करवाया

हसौद। क्षेत्र के प्रतिष्ठित AISECT Computer Education Center हसौद ने विद्यार्थियों के लिए शिशुपाल पर्वत (सरायपाली, छत्तीसगढ़) का एक दिवसीय शैक्षणिक एवं प्राकृतिक भ्रमण करवाया। यह स्थल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, पहाड़ों और झरनों के लिए जाना जाता है।भ्रमण का नेतृत्व संस्थान के प्रशिक्षक मनी राम चौहान और जय कुमार रात्रे ने किया। उनके साथ सहयोगी के रूप में राजू साहू और सभी विद्यार्थी शामिल हुए।

विद्यार्थियों ने पर्वत की हरी-भरी वादियों, झरनों और प्राकृतिक दृश्यों का अवलोकन किया और यहां के भौगोलिक तथा पर्यावरणीय महत्व को समझा। इस दौरान उन्हें प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता भी मिली।

संस्थान के प्रशिक्षक मनी राम चौहान ने कहा, ÷ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में टीमवर्क, जिज्ञासा और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देते हैं। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया और संस्थान का आभार व्यक्त किया। €AISECT Computer Education Center हसौद का उद्देश्य हमेशा से विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित रहा है। यहाँ न केवल उच्च स्तरीय कंप्यूटर शिक्षा दी जाती है, बल्कि व्यावहारिक अनुभव, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम का किया आकस्मिक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़, / कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सारंगढ़ ब्लॉक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडम सह आयुष्मान आरोग्य मंदिर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां के मरीजों से वे कौन सी बीमारी का इलाज कराने आए, हॉस्पिटल के इलाज और दवा आदि सुविधा के बारे में पूछताछ किया। इसके साथ ही दवा भंडार केंद्र में सांप और कुत्ते काटने पर प्रतिरोधक इंजेक्शन की उपलब्धता के बारे में पूछा। डॉक्टर ओमप्रकाश कुर्रे ने दवा की उपलब्धता की जानकारी दी। पंजी स्टॉक में दर्ज अनुसार दवा पाया गया।

कलेक्टर ने वहां बीएमओ

डॉक्टर नर्स आदि के साथ बैठक लेकर सभी बिंदुओं जैसे ओपीडी, आईपीडी मरीजों की संख्या, प्रसव, बच्चों का टीकाकरण, सामान्य और हाईरिस्क गर्भवती माताओं का पंजीयन और टीकाकरण आदि के संबंध में समीक्षा किया। बैठक में एसडीएम वर्षा बंसल, बीएमओ डॉ रामलाल सिदार, आयुष डॉ यशवंत स्वर्णकार, डीपीएम नंदलाल इजारदार, सहित गोडम हॉस्पिटल के स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

आस्था और विश्वास ! जिला जेल जांजगीर-चांपा में नवरात्रि पर अनुकरणीय पहल

दिलहरण चन्दा जिला संवाददाता जिला शक्ति

बिर्रा / जांजगीर-चांपा । शारदीय नवरात्रि-2025 का पर्व इस बार जिला जेल जांजगीर-चांपा में भी अलग ही अंदाज में मनाया जा रहा हैं । जेल की ऊंची-ऊंची दीवारों और सख्त नियम-कायदों के बीच भक्ति और आस्था का ऐसा नजारा शायद ही कभी देखने को मिला हो । यहां 20 बंदी अपनी-अपनी गलतियों से तौबा करते हुए माता जगदम्बा की साधना में लीन हैं और पूरे 10 दिन का उपवास रखकर आत्मिक शांति की तलाश कर रहे हैं । सुबह-शाम जब भजन-कीर्तन की धुन गूंजती हैं तो पूरा जेल परिसर मंदिर जैसा माहौल बना देता हैं । कई बंदी ढोलक और झांझ बजाते हैं तो कुछ देवी के भजन-कीर्तन गाकर अपने अपराध-बोध से मुक्ति की राह तलाशते हैं । समाजसेवी प्रकाश बंसल ने इन 20 बंदियों के लिए फल और पूजन सामग्री की व्यवस्था करके अनुकरणीय उदाहरण पेश किया हैं ।

बीस बंदी माता जगदम्बा की साधना में लीन हैं और पूरे 10 दिन का उपवास रखकर आत्मीय शांति की तलाश कर रहे हैं...

बंदियों की आस्था और भक्ति-भाव ।

धर्म की स्थापना, देवत्त्व की रक्षा और धरती के आवरण को हटाने के नौ अवसरों के रुप में नवरात्रि प्रतीक मानी जाती हैं ,जो अक्सर हमारे जीवन पर छाई रहती हैं। ये दिन और रात केवल कैलेंडर गिनने भर के लिए ही नहीं बल्कि भय से मुक्ति के लिए हैं । जिला जांजगीर-चांपा जिले के कारागार में बंद कैदी भी आम आदमी की तरह पश्चात्ताप करते हैं और अपने अब तक की गलतियों से तौबा करते हुए जगतनंदिनी मां दुर्गा की साधना में लीन हैं और इन दिनों ब्रत रखकर आत्मीय शांति की तलाश कर रहे हैं । प्रेस क्लब चांपा अध्यक्ष डॉ कुलवंत सिंह सलूजा तथा दैनिक समाचार-पत्र से सम्बद्ध हुए शशिभूषण सोनी से अपनी बात साझा करते हुए कहा कि वे अब भक्ति-भाव के मार्ग पर चलकर समाज और परिवार की सेवा करना ही उनके जीवन का लक्ष्य हैं ।

समाजसेवी प्रकाश बंसल का सहयोग ।

समाजसेवी प्रकाश बंसल की इस अनुकरणीय पहल ने

न केवल उपवास कर रहे बंदियों का मनोबल बढ़ाया हैं बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया हैं कि सुधार और नई शुरुआत के लिए कुछ सहयोग की भी जरूरत होती है और यह सहयोग धर्मनगरी शिवरीनारायण के समाजसेवी प्रकाश बंसल को जाता हैं ।

समाजसेवी प्रकाश बंसल का सहयोग।

प्रकाश बंसल ने उपवास कर रहे 20 बंदियों के अतिरिक्त कुछ अन्य बंदियों के लिए फल और पूजन सामग्री की व्यवस्था की हैं , जो कि उनके लिए एक संबल बना हैं ।

बंदियों की कहानी भी समाज के लिए एक प्रेरणा हैं ।

बंदियों की कहानी भी समाज सेवा के लिए एक प्रेरणा हैं कि इंसान कभी-भी अपनी राह बदल कर एक नई शुरुआत कर सकता हैं । वैसे जेल प्रशासन के अनुसार मैन्युअल नियमों के चलते किसी भी बंदी को विशेष भोजन नहीं दिया जा सकता , केवल फलाहारी व्यवस्था ही होती हैं । ऐसे में बंसल का सहयोग बंदियों के लिए संबल बना हैं । फल वितरण के दौरान प्रकाश बंसल ने कहा भक्ति और साधना से बड़ा कोई मार्ग नहीं हैं । यदि कोई व्यक्ति अपनी गलतियों को सुधारते हुए नई शुरुआत करना चाहता है तो समाज का कर्तव्य हैं कि वह उसे सहयोग दें । बंदियों का यह प्रयास समाज के लिए भी प्रेरणा है कि इंसान कभी भी अपनी राह बदल सकता हैं ।

प्रकाश बंसल का मानवीय चेहरा

धर्म नगरी शिवरीनारायण के समाजसेवी प्रकाश बंसल ने जिला जेल के उपवास कर रहे 20 बंदियों के लिए फल सामग्री उपलब्ध कराकर मानवीयता की मिसाल पेश की है। बंदी भी इंसान हैं , यदि वे अपनी गलती सुधारकर भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलना चाहते हैं तो समाज को उनका हौसला बढ़ाना चाहिए । उनकी इस पहल ने न केवल उपवास कर रहे बंदियों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि समाज को भी यह संदेश दिया कि सुधार और नई शुरुआत के लिए सहयोग की जरूरत होती हैं ।

खरोरा- बुडेरा परिक्षेत्र साहू समाज का चुनाव संपन्न, योगेश साहू बने अध्यक्ष

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के निर्देशानुसार तहसील साहू संघ तिल्दा अंतर्गत परिक्षेत्र साहू संघ बुड़ेरा-खरोरा का चुनाव सम्पन्न हुआ,इस परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 32 गांवों से प्रत्येक गांव के 5-5 प्रमुख पदाधिकारी मतदान में शामिल हुए। कुल 144 ग्रामीण पदाधिकारियों ने मतदान कर लोकतंत्र की परंपरा को सशक्त किया।

अध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला हुआ, जिसमें प्रत्याशी किशन लाल साहू, राजा साहू (सरपंच, ग्राम पंचायत बुड़ेरा) और योगेश साहू आमने-सामने थे। मतदान परिणाम में योगेश साहू ने 74 वोट हासिल कर अध्यक्ष पद पर विजय प्राप्त की। उनके प्रतिद्वंदी किशन लाल साहू को 39 और राजा साहू को 31 वोट मिले।

अन्य पदों पर भी चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें दशरथ साहू 90 वोट से उपाध्यक्ष, श्रीमती लक्ष्मी साहू 78 वोट से महिला उपाध्यक्ष, मनोज साहू 74 वोट से संगठन सचिव और श्रीमती बिमला साहू 76 वोट से महिला संगठन सचिव निर्वाचित हुए।

उक्त निर्वाचन को पोषण साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ तिल्दा,उपाध्यक्ष गिरेन्द्र साहू,कोशाध्यक्ष डॉ शिवकुमार साहू,रायखेड़ा परिक्षेत्र अध्यक्ष झब्बू साहू,अन्य पदाधिकारी ने निर्वाचन अधिकारी के रूप में सम्पन्न कराया,इस अवसर पर परिक्षेत्र पदाधिकारी रामाधार साहू मनीराम साहू,सुरेश साहू,नरेंद्र साहू,शत्रुहन साहू,सोनू साहू,पूनम साहू,32 गांव के साहू समाज के लोग उपस्थित थे

चुनाव परिणाम आने के बाद समाज के वरिष्ठजनों और समाजसेवियों ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि नए प्रतिनिधि समाज की प्रगति और संगठन को नई दिशा देंगे।

प्रेम रावत का मानवता एवं शांति संदेश कार्यक्रम हुआ आयोजित

बिर्रा। यूथ पीस फाउंडेशन टीम जिला सक्ती द्वारा 26 सितंबर दिन शुक्रवार को शांति दिवस के अवसर पर शांति माह के दौरान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा, जिला -सक्ती छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शांतिदूत श्री प्रेम रावत जी के मानवता व शांति के संदेश दिखाया गया और प्रेम रावत जी द्वारा लिखित पुस्तक 'Breath' और 'Sßæ´â' भेंट की गई। जिसमें लगभग 280 स्टूडेंट 6 स्टाफ व 9 ड्ड्क्क्र वलिंटियर शामिल हुए। कार्यक्रम बहुत ही अच्छा रहा सभी स्टूडेंट ने एक्टीविटी में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यूथ पीस फाऊंडेशन टीम सक्ती द्वारा उनको प्रोत्साहित करने के लिए भेंट भी दिया गया तथा YPF टीम द्वारा संस्था को सर्टिफिकेट भेंट की गई। प्राचार्य जी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह उच्च कोटि का कार्यक्रम है और बहुत ही आग्रह से कहा कि आप सभी यहाँ फिर जरूर आइयेगा। टीचर स्टाफ ने भी इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए सभी स्टूडेंट को YPF पेज को फालो करने को कहा है। टीम को संस्था द्वारा प्रशंसा पत्र दिया गया। इस अवसर पर सहयोगी YPF टीम सदस्य हीरालाल कश्यप, रामफल कश्यप, बुधराम कश्यप, लता आदित्य,सहतेजीत कश्यप, फागू लाल साहू,अनिल साहू,तेजलाल, प्रीति कश्यप आदि के अलावा शिक्षक गण और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय स्व- आकलन प्रतियोगी परीक्षा का होगा आयोजन

बिर्रा। शिक्षा ही सबसे बड़ी पूंजी है।इस मूलमंत्र को विद्यार्थी हित में पिरोकर निःशुल्क स्व- आकलन परीक्षा आयोजन समिति बिर्रा अनवरत चतुर्थ वर्ष निःशुल्क राज्य स्तरीय स्वाकलन प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन 2 नवम्बर 2025 को करने जा रहा है। यह परीक्षा नवोदय विद्यालय जैसे प्रतिष्ठित एवं ख्याति लब्ध संस्थान में प्रवेश हेतु बतौर पूर्व तैयारी के लिए मददगार सिद्ध होता है। समिति के सदस्य दुष्यन्त कश्यप और बुद्धेश्वर कश्यप ने बताया कि इस वर्ष पालकों एवं विद्यार्थियों के आग्रह पर परीक्षा का माध्यम हिन्दी एवं अंग्रेजी रहेगा। प्रश्न पत्र हिन्दी के साथ अंग्रेजी माध्यम में मांग के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्र तीन अलग -अलग स्थानों पर आयोजित होंगे। पहला केन्द्र ग्राम बिर्रा के सरस्वती शिशु मंदिर, एवं देव पब्लिक स्कूल के अतिरिक्त तीसरा परीक्षा केन्द्र स्वामी आत्मानंद विद्यालय भटगांव जिला सारंगढ़ तथा चौथा परीक्षा केन्द्र अमृत लाल हायर सेकेण्डरी विद्यालय चोरभट्ठी वि.खं. पामगढ़ में बनाना तय हुआ है। विद्यार्थियों के उत्साह वर्धन हेतु ईनाम राशि की भी व्यवस्था की गई है। मेरिट क्रम में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को दस हजार रुपए की राशि के अतिरिक्त क्रमशः दस विद्यार्थियों को घटते क्रम में राशि को भी कम करते हुए दसवें स्थान प्राप्त विद्यार्थी को एक हजार की राशि देव पब्लिक स्कूल बिर्रा में भव्य सम्मान समारोह में 9 नवम्बर को प्रदान किया जाएगा। इसी क्रम में प्रथम पुरस्कार 10000 की राशि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मोहन कुमारी साहू जी, द्वितीय पुरस्कार 9000 की राशि डां रामकुमार वर्मा घिवरा, तृतीय पुरस्कार 8000 कान्हा पब्लिक स्कूल जांजगीर (क्रिएटिव इंस्टीट्यूट) एवं अमृतलाल बाल संस्कार हा. से. स्कूल चोरभट्ठी,चतुर्थ पुरस्कार 7000 जनजागरण मिशन बिलासपुर- टाटा, पंचम पुरस्कार

6000 श्री मुकुन्द कश्यप शिक्षक बिर्रा, षष्ठम पुरस्कार 5000 श्री बुंद राम यादव पंच बिर्रा, सप्तम पुरस्कार 4000 श्री विश्वनाथ कश्यप शिक्षक (सी एस सी) सेमरिया, अष्टम पुरस्कार 3000 श्री छोटेलाल कैवर्त्य पंच बिर्रा, नवम पुरस्कार 2000 श्री एकांश पटेल पंच बिर्रा, दशम पुरस्कार 1000 श्री चन्द्र कुमार कहार बिर्रा के द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मेरिट क्रम 11 से 50 वें क्रम तक के प्रत्येक प्रतिभागियों को 500 की सांत्वना राशि आकलन समिति द्वारा पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। अन्य कार्यों के लिए भी सहयोग के हाथ आगे आ रहे हैं। इस निःशुल्क प्रतियोगिता परीक्षा जिसमें छ. ग. के 10-12 जिले से प्रतिभागी आते हैं। उनके स्वल्पाहार के लिए लगातार तीसरे वर्ष बाबूजी डेयरी फार्म बिर्रा श्री नंदलाल चौहान ,प्रश्न पत्र छपाई का सहयोग जनपद सीईओ मेनपाट श्री कुबेर उरैती ,मोमेन्टो, मेडल्स एवं प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार वितरण हेतु मंचीय सहयोग श्री दिनेश चंद्रा संचालक देव पब्लिक स्कूल बिर्रा के द्वारा दिया जाएगा। परीक्षार्थियों का पंजीयन आनलाइन गूगल फार्म से एवं आफलाईन के द्वारा भी किया जाएगा। समिति को अन्य आवश्यक व्यवस्था हेतु ग्राम पंचायत बिर्रा से भी सहयोग का आश्वासन प्राप्त हुआ है।इसके अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों से भी सहयोग की अपेक्षा है। 25 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक प्रतिभागियों हेतु पंजीयन की सुविधा होगी।

युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के निर्माणकर्ता : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'हमारी युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के निर्माणकर्ता हैं। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, हिंदी का प्रचार-प्रसार और नवाचार की ओर बढ़ने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यार्थियों को सम्मानित करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान कालेज के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा, 'युवाओं के विचार, ऊर्जा और राष्ट्रप्रेम ही दिल्ली और देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने कॉलेज के नवनिर्वाचित छात्र संघ को भी शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, 'हमारी सरकार ने आते ही दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में वेतन और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता पर कोई आंच न आए।' उन्होंने कहा, 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय का जो मंत्र दिया, उसी भाव को यह संस्थान जीवंत करता है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यही मूल्य राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बन रहे हैं।

दिल्ली में तीन अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ दक्षिणी पश्चिम जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। ऑपरेशन सेल की टीम ने आरके पुरम इलाके से तीन बांग्लादेशी नागरिकों को धर दबोचा। यह गिरफ्तारी हुई है। बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे ये युवक चुपचाप दिल्ली में ठिकाना बनाए हुए थे और यूरोप भागने की तैयारी कर रहे थे। उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान झलक पाल (25) निवासी बलागंज, सिलहट, ढाका, मोहम्मद नुरुल अब्सर उर्फ अब्सर (40) और मोहम्मद अजीजुल हक उर्फ हक (21) निवासी चटग्राम, बांग्लादेश के रूप में हुई है। जिले की ऑपरेशन सेल को सूचना मिली थी कि आरके पुरम क्षेत्र में कुछ संदिग्ध विदेशी नागरिक घूम रहे हैं। जांच के दौरान जब पुलिस ने पहचान पत्र मांगे तो तीनों कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे 2025 में हवाई जहाज से भारत आए थे और वीजा समाप्त होने के बाद भी वापस नहीं लौटे। उनका मकसद पुर्तगाल सहित यूरोप भागना था, लेकिन वीजा न मिलने पर दिल्ली में छिपकर रह रहे थे। पुलिस ने मौके पर उनके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की जांच की और बांग्लादेश में परिजनों से संपर्क कर असली पासपोर्ट व पहचान पत्र की प्रतियां भी हासिल कीं।

मुख्यमंत्री ने नरेला में बायोगैस संयंत्र और एकीकृत सीबीजी-सीएनजी ईंधन स्टेशन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नरेला स्थित घोघा डेयरी में दिल्ली के दूसरे बायोगैस संयंत्र और एकीकृत सीबीजी-सीएनजी ईंधन स्टेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया, दिल्ली के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद और विधायक राजकरण खत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, बायोगैस संयंत्र और सीबीजी-सीएनजी स्टेशन राजधानी के विकास को नई दिशा और गति देने वाला है। उन्होंने कहा, सेवा पखवाड़े के अंतर्गत हुई यह पहल स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करते हुए दिल्ली को हरित, आधुनिक और आत्मनिर्भर राजधानी के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, यह अत्याधुनिक संयंत्र घोघा डेयरी सहित आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति और नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान करेगा। हमारी सरकार दिल्ली को हरित ऊर्जा का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। आने वाले समय में ऐसे अनेक प्रोजेक्ट दिल्ली को स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर राजधानी के रूप में स्थापित करेंगे।

पानी के बिलों पर छूट और ब्याज दर पांच से घटाकर दो फीसद करके दिल्ली वालों दी गई राहत

नई **दिल्ली।** दिल्ली जल बोर्ड ने पानी के बिलों पर छूट और ब्याज दर पांच प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत करके लोगों को राहत दी है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन करते हुए दिल्ली जल बोर्ड की बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा की। जल मंत्री ने कहा, पिछले कई सालों से दिल्ली जल बोर्ड की हालत लगातार खराब रही और दिल्ली के लोगों को कोई राहत नहीं दे पाया। दिल्ली के लोग पानी के लाखों रुपये के बिलों को लेकर काफी समय से परेशान है, ऐसा इसलिए था क्योंकि जल बोर्ड की ब्याज दर प्रति बिलिंग चक्र 5 प्रतिशत थी, कुछ चक्र मासिक और कुछ द्विमासिक होते थे। मासिक चक्र में 5 प्रतिशत ब्याज चक्रवृद्धि होता था, यानी 100 रुपये एक साल में 178 रुपये हो जाते थे। अब हमने ब्याज दर 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करके काफी राहत दी है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सरकारी और घरेलू उपभोक्ताओं के बकाया पानी बिल पर ब्याज माफ करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह योजना अगले महीने से लागू होगी। इसके तहत 31 जनवरी तक बिल जमा करने वालों को 100 प्रतिशत और 31 मार्च तक जमा करने वालों को 70 प्रतिशत छूट मिलेगी। उन्होंने बताया कि जल बोर्ड पर बकाया बिल 87,589 करोड़ रुपये है, जिसमें से 80,463 करोड़ रुपये केवल ब्याज है। दिल्ली वालों को अब सिर्फ 7,126 करोड़ रुपये देने होंगे और माफी योजना के तहत विभिन्न इलाकों में कैंप लगाए जाएंगे।

परसदा बड़े स्कूल में आयोजित मेगा पालक कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर डॉ कन्नौजे पालकों को बच्चों की पढ़ाई का मॉनिटरिंग करने की अपील

सारंगढ़ बिलाईगढ़, /जिले के स्कूलों में मेगा पालक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें, कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे सारंगढ़ ब्लॉक के परसदा बड़े के शासकीय प्रायमरी, मिडिल और हाईस्कूल में शामिल हुए। इस अवसर पर स्कूली बच्चों के शिक्षा के संबंध में पालकों को जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने पालकों को कहा कि वे समय समय पर आकर अपने बच्चे की पढ़ाई के संबंध में पूछताछ करें। साथ ही बच्चे पुस्तक, कॉपी और मोबाइल में क्या पढ़ाई लिखाई कर रहे उसकी मॉनिटरिंग करने की अपील की। सरकारी स्कूलों में युक्तियुक्तकरण से सभी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति के आधार पर शिक्षकों की व्यवस्था की गई है, जिससे सभी बच्चों का शैक्षणिक विकास हो रहा है।

अच्छा रिजल्ट लाने कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय छिंद में विद्यार्थी और शिक्षकों को किया प्रोत्साहित कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने स्वामी आत्मानंद विद्यालय छिंद में कक्षा 11वी और 12वीं के बच्चों को विज्ञान संकाय में भौतिकी और रसायन जैसे विषयों की पढ़ाई अभ्यास करके करने के लिए कहा। साथ ही उनके कॉपी को चेक किया।

कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी और शिक्षक रिजल्ट अच्छा लाने का प्रयास करें। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया उपस्थित थे।

दुबई से लाया गया भारत का दुश्मन : इंटरपोल चैनल्स से भगोड़ा परविंदर सिंह गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। सीबीआई ने आतंक और अपराध की दुनिया को बड़ा झटका देते हुए भगोड़े परविंदर सिंह उर्फ निर्मल सिंह उर्फ पिंडी को यूएई (UAE) से धर दबोचा है। इंटरपोल चैनल्स के जरिए हुई इस हाई-प्रोफाइल कार्रवाई ने न सिर्फ अपराधियों की नींद उड़ा दी है बल्कि यह भी साबित कर दिया कि भारत अब किसी भगोड़े को छोड़ने वाला नहीं। इसके बाद भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (MEA), गृह मंत्रालय (MHA), एनसीबी-अबू धाबी और पंजाब पुलिस ने मिलकर उसका प्रत्यर्पण (E&tradition) सुनिश्चित किया। 26 सितंबर 2025 को पंजाब पुलिस की विशेष टीम उसे भारत लेकर आई। रेड नोटिस इंटरपोल का सबसे घातक हथियार है, जो दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट करता है। भारत में सीबीआई बतौर नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (NCB-India) काम करती है और BHARATPOL के जरिए राज्यों को जोड़ती है। पिछले कुछ सालों में सीबीआई ने इंटरपोल चैनल्स से 130 से ज्यादा भगोड़ों की वापसी कराई है। परविंदर सिंह का भारत लौटना पंजाब में आतंकवाद फंडिंग और संगठित अपराध नेटवर्क पर तगड़ा प्रहार है। सुरक्षा एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर उसके कनेक्शन और फंडिंग चैनल्स की जड़ तक पहुंचने में जुटेंगी।

परविंदर सिंह पर उगाही, आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटाना (UAPA), हत्या का प्रयास और आपराधिक धमकी जैसे संगीन आरोप हैं। वह लंबे समय से पंजाब पुलिस को चकमा देकर फरार था और विदेश भाग गया था। सीबीआई ने पंजाब पुलिस के अनुरोध पर 13 जून 2025 को इंटरपोल के जरिए रेड नोटिस जारी करवाया। रेड नोटिस की भनक लगते ही UAE अधिकारियों ने परविंदर को दबोच लिया।

भारतीय विद्या भवन और रूस के ऋषि वशिष्ठ संस्थान के बीच सांस्कृतिक सहयोग को लेकर समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और रूस के बीच सास्कृतिक बंधों में प्रगाढ़ता लाने के उदेश्य से प्रतिष्ठित भारतीय विद्या भवन और मॉस्को स्थित ऋषि वशिष्ठ संस्थान (आरवीआई) के बीच यहां एक समझौता किया गया। भारतीय विद्या भवन के निदेशक के शिवा प्रसाद और रूसी संस्थान के निदेशक दिमित्री माक्साकोव ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। समारोह का आयोजन यहां के भारतीय विद्या भवन के सभागार में किया गया। इस अवसर पर योग वशिष्ठ पुस्तक के रूसी संस्करण का अनावरण भी किया गया। इस पुस्तक में भगवान राम और ऋषि वशिष्ठ के बीच आध्यात्मिक संवाद का वर्णन है। पुस्तक के रूसी संस्करण को संस्थान के विद्या प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। इस दौरान भारतीय विद्या भवन के निदेशक प्रसाद ने भारत की प्राचीन भाषा संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए ऋषि वशिष्ठ संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय विद्या भवन उसके साथ हर तरह के सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है। आरवीआई से जुड़े रूस के स्वामी विष्णुदेवानंद गिरिजी महाराज ने भारत के प्राचीन आध्यात्मिक धरोहरों की सराहना करते हुए भारतीय दर्शनशास्त्र को पश्चिमी दर्शनशास्त्र से

श्रेष्ठ बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन मानव जीवन से जुड़े हर पहलुओं के प्रश्नों का जवाब देता है जबकि पश्चिमी दर्शन इस बारे में खामोश है। उन्होंने भारतीय लोगों से अपनी श्रेष्ठ विरासतों को संजोकर रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में भारतीय विद्या भवन के उपाध्यक्ष और दिल्ली केंद्र के प्रमुख बनवारी लाल पुरोहित ने संस्थान की ओर से आरवीआई को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया और इस कार्यक्रम को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की आगामी यात्रा की रूपरेखा बताया। पुरोहित पंजाब, तमिलनाडु, असम और मेघालय के राज्पाल रह चुके हैं।समारोह में नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के संस्कृति, शिक्षा एवं खेल मामलों के अपर सचिव मिखाईल अंतसिफरोव, महामंडलेश्वर शाद्धा माता गिरी, महामंडलेश्वर चेतना माता गिरी समेत कई प्रमुख लोग उपस्थित थे।

भारत में बाल विवाह के मामलों में ऐतिहासिक गिरावट, दुनिया के लिए बना उदाहरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में बाल विवाह के मामलों में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। लड़कियों में बाल विवाह के मामलों में 69 प्रतिशत और लड़कों में 72 प्रतिशत की कमी आई है। असम ने 84 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर सबसे बड़ी सफलता हासिल की है, जबकि महाराष्ट्र और बिहार में 70-70 प्रतिशत, राजस्थान में 66 प्रतिशत और कर्नाटक में 55 प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। यह खुलासा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) की रिपोर्ट 'टिपिंग प्वाइंट टू ज़ीरोः एविडेंस टुवर्ड्स ए चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' में हुआ है। जिसे न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक साइड इवेंट में जारी किया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारियां और एफआईआर दर्ज होना बाल विवाह रोकने का सबसे बड़ा निवारक साबित हुआ है। इसमें यह भी सामने आया कि 99 फीसदी लोगों ने केंद्र सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में सुना या देखा है, जिसमें सबसे ज्यादा योगदान एनजीओ, स्कूल और पंचायतों का रहा। असम की

ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए जेआरसी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को 'चैंपियंस ऑफ चेंज' अवॉर्ड देने की घोषणा की। रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार में 93 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 89 प्रतिशत और असम में 88 प्रतिशत लोगों ने एनजीओ अभियानों के जरिये इस अभियान के बारे में जाना, जबकि राजस्थान (87 प्रतिशत) और महाराष्ट्र (77 प्रतिशत) में स्कूल जागरूकता के सबसे बड़े माध्यम बने। बाल विवाह के कारणों में गरीबी को सबसे बड़ा कारण बताया गया है। जबकि 44 प्रतिशत लोगों ने इसे नाबालिग लड़कियों की सुरक्षा और कुछ ने सामाजिक परंपराओं से जोड़कर देखा। लड़कियों की शिक्षा में गरीबी (88 प्रतिशत), अधोसंरचना की कमी (47 प्रतिशत), सुरक्षा (42 प्रतिशत) और परिवहन (24 प्रतिशत) को बड़ी बाधाएं बताया गया है। रिपोर्ट की प्रमुख सिफारिशों में बाल विवाह कानून का कड़ाई से पालन, विवाह पंजीकरण अनिवार्य करना, बेहतर रिपोर्टिंग तंत्र विकसित करना और बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल की जागरूकता गांव-स्तर तक पहुंचाना शामिल है। साथ ही, राष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस घोषित करने की भी सिफारिश की गई है। जेआरसी संस्थापक भुवन रिभु ने कहा कि भारत बाल विवाह के अंत के करीब है।

समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका, आर्यन खान की वेबसीरीज पर दायर मानहानि याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । आईआरएस अधिकारी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। वानखेड़े ने अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ 2 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा करते हुए याचिका दाखिल की थी।

अदालत का कहना है कि यह याचिका यहां विचार योग्य नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने उनको याचिका में संशोधन करने और उपयुक्त फोरम में दोबारा दाखिल करने की छूट दे दी है।

यह मामला साल 2021 में चर्चित क्रूज ड्रग्स केस से जुड़ा है, जिसमें समीर वानखेड़े ने आर्यन खान को गिरफ्तार किया था। आर्यन को इस मामले में 27 दिन तक जेल में रहना पड़ा था, लेकिन बाद में उन्हें क्लीन

चिट मिल गई। आर्यन खान ने इसी अनुभव को आधार बनाकर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' बनाई, जिसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया। समीर वानखेड़े का आरोप है कि इस सीरीज में उन्हें नाम लिए बिना दिखाया गया है और एक किरदार उनकी तरह की यूनिफॉर्म, अंदाज और भूमिका निभाता है, जिससे उनकी व्यक्तिगत और पेशेवर छवि को नुकसान पहुंचा है। उनका कहना है कि यह वेब सीरीज दुर्भावनापूर्ण इरादे से बनाई गई है ताकि उन्हें बदनाम किया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि सीरीज में ड्रग विरोधी एजेंसियों को गलत तरीके से पेश किया गया है, जिससे आम जनता का इन संस्थाओं पर विश्वास कमजोर होता है। वानखेड़े ने अपनी याचिका में कोर्ट से अपील की थी कि इस सीरीज को प्रतिबंधित किया जाए और रेड चिलीज और नेटफ्लिक्स को 2 करोड़ रुपए हर्जाना देने का आदेश दिया जाए। उन्होंने बताया कि यह रकम टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों की मदद के लिए दान में दी जाएगी। वानखेड़े ने एक विशेष सीन पर भी आपत्ति जताई, जिसमें एक किरदार 'सत्यमेव जयते' का नारा लगाने के बाद गलत इशारा दिखाता है। उनका कहना है कि यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान है और इससे देश की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

मणिपुर में छह महीने और जारी रहेगा अफस्पा, नागालैंड और अरुणाचल के कुछ हिस्से भी शामिल रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के तीन राज्यों से जुड़े विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों पर लागू 'सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम' (अफस्पा) को 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। जारी अधिसूचना के तहत पांच जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों को छोड़कर संपूर्ण मणिपुर, नागालैंड के नौ जिलों और 21 पुलिस थानों तथा अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों तथा तीन पुलिस थानों को 'अशांत' घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि अशांत क्षेत्रों की स्थिति में तेजी से सुधार के लिए 'अफस्पा' के तहत सशस्त्र पुलिस बलों को कुछ विशेष अधिकार दिए जाते हैं। इसके तहत बलों को केंद्र की अनुमति के बिना अभियोजन चलाए जाने से भी संरक्षण मिलता है। गृह मंत्रालय की ओर से इस संबंध में तीन अगल-अलग अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के तहत इंफाल पश्चिम के इंफाल, लाम्फेल, सिटी, सिंगजामेई, पाटसोई, वांगोई, इम्फाल पूर्व के पोरोम्पैट, हिंगांग, इरिलबंग, थौबल के थौवल, विष्णुपुर के विष्णुपुर, नामबोल और काकचिंग के काकचिंग थाने के अलावा सारे मणिपुर में अफस्पा लागू रहेगा। नागालैंड राज्य में दिमापुर, निउलैंड, चुमुकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिले। कोहिमा जिले में खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा-दक्षिण, जुबजा और केजोचा पुलिस थाने। मोकोकचुंग जिले में मांगकोलेंबा, मोकोकचुंग-1, लॉगयो, तुली, लोंगचेम और अनाकी 'सी' पुलिस थाने।

'साड़ीज़ ऑफ इंडिया' प्रदर्शनी: नई दिल्ली में मध्य प्रदेश का बाग प्रिंट बना आकर्षण का केन्द्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल के नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'साड़ीज़ ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी में कला और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। इसमें मध्य प्रदेश का बाग प्रिंट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस भव्य प्रदर्शनी में देशभर के चुनिंदा और श्रेष्ठ शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है, जहाँ भारत की विविधता और समृद्ध हस्तकला परंपरा को एक ही छत के नीचे देखने का अवसर मिल रहा है। यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 27 सितम्बर तक चलेगी। प्रदर्शनी के दूसरे दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने मध्य प्रदेश के बाग प्रिंट शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री की कलाकृतियों की जमकर तारीफ़ की और विस्तार से बाग प्रिंट की तकनीक और प्राकृतिक रंगों के महत्व पर बातचीत की। खत्री ने कंगना रनौत को मध्य प्रदेश बाग प्रिंट कला के उद्गम स्थल बाग गांव आने का आमंत्रिण दिया। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ियाँ इस धरोहर को संभालती आई हैं और आज भी यह गाँव कला की जीवंत पाठशाला है। प्रदर्शनी में उपस्थित जानी-मानी

क्राफ्ट रिवाइवलिस्ट मंजीरी नेरोला, कामियानी जलन और दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल की अध्यक्ष पूर्णिमा राय ने भी बाग प्रिंट साड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का बाग प्रिंट सुंदर संगम हैं, जिनमें प्राकृतिक रंगों की चमक और हस्तकला की शान झलकती है। गौरतलब है कि मोहम्मद आरिफ खत्री को उनके नवाचार और बाग प्रिंट को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। कला-प्रेमियों और दर्शकों के लिए यह प्रदर्शनी केवल साड़ियों का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के विविध रंगों का उत्सव है।

फॉलोअप आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के 18 बैंक खाते और 28 एफडी फ्रीज

एजेंसी

नई दिल्ली। श्री शारदा इंस्टीट्यूट आफ इंडियन मैनेजमेंट एंड रिसर्च संस्थान परिसर में पुलिस जांच के लिए पहुंची। इसके अलावा दिल्ली पुलिस ने आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके पास मौजूद 18 बैंक खाते और 28 एफडी फ्रीज करवा दी हैं। इनमें 8 करोड़ रुपये मौजूद थे। यह सभी पैसे आरोपित पार्थसारथी द्वारा बनाए गए ट्रस्ट से जुड़े पाए गए हैं। उनके खिलाफ श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी की संपत्ति में धोखाधड़ी, जालसाजी और करोड़ों रुपये के गबन के गंभीर आरोप हैं। वहीं शुक्रवार को जांच के लिए पुलिस टीम ने संस्थान के कार्यालय, चैतन्यानंद सरस्वती के कार्यालय और उसके निजी आवास की तलाशी ली, यहां से कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम ने चैतन्यानंद सरस्वती पर आरोप लगाने वाली सभी 32 छात्राओं से जुड़े दाखिले संबंधित दस्तावेज भी जब्त किए हैं।

दिल्ली ने विकास और हरित ऊर्जा की ओर बढ़ाया कदम : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान आज दिल्ली ने विकास और हरित ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरुआत कर मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला रखी और नरेला को अग्निशमन केंद्र की सौगात दी। इस अवसर पर सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री आशीष सूद, विधायक कुलवंत राणा और राजकरण खत्री मौजूद रहे।

रिठाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि रिठाला स्थित दिल्ली जल बोर्ड भवन की छत पर स्थापित 25 किलोवॉट का आधुनिक सोलर रूफटॉप हर वर्ष 28,000 से अधिक यूनिट स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा। आज से दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकारी इमारतें अब ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर दिल्ली की पहचान बनेंगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि आज यहां से मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला भी रखी गई है। यह

परियोजना कराला सहित आसपास के 16 फीडर क्षेत्रों को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इसी क्रम में आज नरेला को भी एक अत्याधुनिक अग्निशमन केंद्र की सौगात दी गई, जिसमें आधुनिक उपकरणों और आपदा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के साथ दिल्ली न केवल पुरानी समस्याओं का समाधान कर रही है, बल्कि प्रगति के नए रास्ते भी खोल रही है। जलभराव से मुक्त हुआ मिंटो ब्रिज, सड़कों पर दौड़ती ई-बी बसें और लगातार छोटे हो रहे कूड़े के पहाड़ इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि सालों से गोबर की समस्या पर किसी ने ध्यान दिया। जो नालियों और नालों के माध्यम से बहकर सालों से यमुना नदी को प्रदूषित कर रही। हमारी सरकार ने आते ही इस पर ध्यान दिया और 20 सितंबर को नंगली डेयरी नजफगढ़ में देश के पहले 200 मीट्रिक टन प्रतिदिन गोबर आधारित बायो गैस संयंत्र का उद्घाटन किया।

जैव ऊर्जा और प्रौद्योगिकियों के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जैव ऊर्जा और प्रौद्योगिकियों पर आयोजित दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुई। भारतीय हरित ऊर्जा महासंघ ने 24 से 26 सितंबर तक द्वारका स्थित यशोभूमि में सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मंच से आज हम बायोएनर्जी, एथेनॉल, कम्प्रेस्ड बायोगैस, बायो-मोबिलिटी और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल जैसे विषयों पर मंथन कर रहे हैं। यह केवल टेक्नोलॉजी नहीं बल्कि हमारे भविष्य की दिशा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली सरकार 15 दिनों में जनहित की 75 सेवाएं दिल्लीवासियों को समर्पित कर रही हैं।

तीन दिवसीय गरबा उत्सव का आगाज, 40 देशों के राजदूत होंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में तीन दिवसीय गरबा उत्सव (ग्लोबल गरबा फेस्टिवल) का आगाज नई दिल्ली स्थित सुंदर नर्सरी में हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली सरकार में पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा उपस्थित रहे। दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से इस आयोजन में परंपरा, संगीत और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम देखने को मिला। दिल्ली सरकार की यह पहल समृद्ध संस्कृति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। आज के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कपिल मिश्रा ने की और उन्होंने गुजराती संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथावाचक इन्द्रेश उपाध्याय और गायिका गीता झाला जैसी प्रसिद्ध हस्तियों ने अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक गरबा और लोक नृत्य के रंग-बिरंगे कार्यक्रमों ने सांस्कृतिक जश्न का आनंद और भी बढ़ा दिया।मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली पर्यटन इस नवरात्रि उत्सव का अहम साझेदार है। इस बार दिल्ली सरकार भव्य स्तर पर कई सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन कर रही है, जिसमें युवाओं और छात्रों के लिए विशेष नवरात्रि उत्सव शामिल है। यह आयोजन पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस के रग्बी ग्राउंड में 27 और 28 सितंबर को आयोजित किया जा रहा है और यह दिल्ली के सांस्कृतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है। कपिल मिश्रा ने बताया कि इस उत्सव में 40 देशों के राजदूत भी शामिल हो रहे हैं, जिससे नवरात्रि उत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप मिलेगा। गरबा, डांडिया और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार और संस्कृति विभाग का उद्देश्य है कि दिल्ली युवाओं के लिए एक ऐसा सांस्कृतिक केंद्र बने, जहां परंपरा और ऊर्जा का संगम एक साथ नजर आए।यह भव्य उत्सव 26 से लेकर 28 सितंबर 2025 तक चलेगा जिसमें पारंपरिक और आधुनिक संगीत और नृत्य के अद्भुत संयोजन के माध्यम से गुजराती संस्कृति का जश्न मनाया जा रहा है। इस गरबा उत्सव का उद्देश्य दिल्ली सरकार के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहुंच बढ़ाना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय राजधानी में सुंदर नर्सरी को एक प्रमुख सांस्कृतिक इवेंट हब के रूप में स्थापित करना है।

महाभयानक शक्ति का स्रोत माता कालरात्रि

>> विचार

“ शिल्प प्रकाश में संदर्भित एक प्राचीन तांत्रिक पाठ, सौधिकागम में देवी कालरात्रि का वर्णन रात्रि के नियंत्रा स्वरूप में किया गया है। सहस्रार चक्र में स्थित भक्तों का मन पूर्णतः माँ कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित रहता है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य, सिद्धियों और निधियों विशेष रूप से ज्ञान, शक्ति और धन का वह भागी हो जाता है, उसके समस्त पापों-विघ्नों का नाश हो जाता है और उसे अक्षय पुण्य-लोकों की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के सप्तम दिन साधक को अपना चित्त भानु चक्रअर्थात मध्य ललाट में स्थिर कर साधना करनी चाहिए। संसार में कालों का नाश करने वाली देवी कालरात्रि भक्तों की सभी दुःख, संताप हर लेती हैं।

अशोक "प्रवृद्ध"

पौराणिक मान्यतानुसार इस जगत में धर्म की रक्षा, दैत्यों के विनाश और धरा के कल्याण के लिए ईश्वरीय इच्छा से उत्पन्न दैवीय परम शक्ति माता आदिशक्ति दुर्गा भवानी में अनेक देवी-देवताओं की शक्ति समाहित है। देवता सहित इस संसार के मानव का कल्याण करने वाली भगवती दुर्गा की सप्तम स्वरूप देवी कालरात्रि की उत्पत्ति नवरात्रि के सातवें दिन होती है। कालरात्रि अर्थात जो सबको मारने वाले काल की भी रात्रि है, अर्थात काल को भी समाप्त करने वाली है। उनके सम्मुख साक्षात काल भी नहीं ठहर सकता है। काल की विनाशिका होने से ही उनका कालरात्रि नाम पड़ा। काल का अर्थ समय से है, और समय को भी काल के रूप में जाना जाता है। जिसका अर्थ मृत्यु से है। काल जो, सभी को एक दिन मार देता है। उससे भी महाभयानक शक्ति का स्रोत माता कालरात्रि हैं, जिनसे साक्षात काल भी नहीं बच सकता है। वही माता कालरात्रि अर्थात काली इस संसार की रक्षा करती है। अपने श्रद्धालु भक्तों को भूत, प्रेत, राक्षस, बाधा, डर, दुःख, दरिद्रता, रोग, पीड़ाओं से बचाकर भक्त को अभय प्रदान करती हैं। जिससे भक्त को सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा के इस सातवें रूप को कालरात्रि के नाम से जाना जाता है। पौराणिक मान्यतानुसार माता कालरात्रि की संपूर्ण शरीर एक अंधकार की भांति होने के कारण शरीर काला रंग का होता है। सिर के बाल सदैव ही खुले रहते हैं तथा गले में विद्युत की भांति चमकने वाली माला होती है। काल का नाश करने वाली देवी होने के कारण ही इन्हें कालरात्रि के नाम से संज्ञायित किया गया है। इनके तीन नेत्र हैं और तीनों ही नेत्र ब्रह्मांड के समान गोल हैं, जिनसे विद्युत के समान चमकीली किरणें निःसृत होती रहती हैं। सर्वत्र विराजमान, बारम्बार नमनीय और कालरात्रि के रूप में प्रसिद्ध अम्बे की नासिका के श्वास-प्रश्वास से अग्नि की भयंकर ज्वालाएं निकलती रहती हैं। इनका वाहन गर्दभ अर्थात गदहा है। अपनी ऊपर उठे हुए दाहिने हाथ की वरमुद्रा से सभी को वर प्रदान करती हैं। दाहिनी तरफ का नीचे वाला हाथ अभयमुद्रा में है। बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में लोहे का काँटा तथा नीचे वाले

हाथ में खडग अर्थात कटार है। देखने में अत्यंत भयानक स्वरूप वाली माता कालरात्रि सदैव शुभ फल ही देने वाली हैं। इसी कारण इनका एक नाम शुभंकारी भी कहा गया है। इसीलिए माता कालरात्रि से भक्तों को किसी प्रकार भी भयभीत अथवाआतंकित होने की आवश्यकता नहीं है। पौराणिक मान्यतानुसार माता दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि की पूजा -अर्चना दुर्गा पूजा के सातवें दिन किये जाने की प्राचीन परिपाटी है। इस दिन भक्तों का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहने के करण उनके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से देवी काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यु, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी कालरात्रि के अन्य कम प्रसिद्ध नामों में हैं। उल्लेखनीय है कि नाम, काली और कालरात्रि का उपयोग एक दूसरे के परिपूरक के रूप में होता है, फिर भी इन दो देवियों को कतिपय विद्वानों के द्वारा पृथक- पृथक सता के रूप में माना जाता है। विद्वानों के अनुसार भारतीय प्राचीन ग्रन्थों में काली के उल्लेख के पूर्व से ही कालरात्रि का उल्लेख होने का प्रमाण उपलब्ध है। पुराणों में प्रथम बार काली नाम से संज्ञायित देवी का नामोल्लेख महाभारत में कालरात्रि देवी के रूप में हुआ है। विद्वानों के अनुसार दोनों एक ही देवी का वर्णन है। भक्तों का कल्याण करने वाली माता कालरात्रि के विषय में पुराणों में अनेक कथाएं प्राप्य हैं। जिसमें सबसे प्रमाणिक दुर्गा सप्तशती को माना जाता है। इसके अतिरिक्त देवी भागवत तथा अन्य पुराणों में भी माता की कथा व महिमा के अंश प्राप्त होते हैं। कई पुराणों में कालरात्रि को काली का ही रूप माना जाता है। शिल्प प्रकाश में संदर्भित एक प्राचीन तांत्रिक पाठ, सौधिकागम में देवी कालरात्रि का वर्णन रात्रि के नियंत्रा रूप में किया गया है। सहस्रार चक्र में स्थित भक्तों का मन पूर्णतः माँ कालरात्रि के स्वरूप में अवस्थित रहता है। उनके साक्षात्कार से मिलने वाले पुण्य, सिद्धियों और निधियों विशेष रूप से ज्ञान, शक्ति और धन का वह भागी हो जाता है, उसके समस्त पापों-विघ्नों का नाश हो जाता है और उसे अक्षय पुण्य-लोकों की प्राप्ति होती है। नवरात्रि के सप्तम दिन साधक को अपना चित्त भानु चक्र अर्थात मध्य ललाट में स्थिर कर साधना करनी चाहिए। संसार में कालों का नाश करने वाली देवी कालरात्रि भक्तों की सभी दुःख, संताप हर लेती हैं, दुश्मनों का नाश करती हैं तथा मनोवांछित फल प्रदान कर उपासक को संतुष्ट करती हैं। दुर्गा सप्तशती के प्रधानिक रहस्य के अनुसार जब देवी ने इस सृष्टि का निर्माण शुरू किया और ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश का प्रकटीकरण हुआ उससे पहले देवी ने अपने स्वरूप से तीन महादेवियों को उत्पन्न किया। सर्वेश्वरी महालक्ष्मी ने ब्रह्माण्ड को अंधकारमय और तामसी गुणों से भरा हुआ देखकर सबसे पहले तमसी रूप में जिस देवी को उत्पन्न किया वह देवी ही कालरात्रि हैं। देवी कालरात्रि ही अपने गुण और कर्मों द्वारा महामाया, महामारी, महाकाली, क्षुधा, तृषा, निद्रा, तृष्णा, एकवीरा, एवं दुरत्यया कहलाती हैं। मान्यता है कि देवी के इस रूप में सभी राक्षस,भूत, प्रेत, पिशाच और नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है, जो उनके आगमन से पलायन करते हैं। दुष्टों का विनाश करने वाली माता कालरात्रि के स्मरण मात्र से ही दानव, दैत्य, राक्षस, भूत, प्रेत आदि भयभीत होकर भाग जाते हैं। ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली कालरात्रि के भक्तों- उपासकों को अग्नि-भय, जल-भय, जंतु-भय, शत्रु-भय, रात्रि-भय आदि कभी नहीं होते। इनकी कृपा से वह सर्वथा भयमुक्त हो जाता है। यही कारण है कि माता कालरात्रि के स्वरूप-विग्रह को अपने हृदय में अवस्थित करके तन मन, वचन की शुद्धता, पवित्रता का ध्यान रख यम, नियम, संयम का पूर्णतः पालन करते हुए मनुष्य को एकनिष्ठ भाव से उपासना करने का विधान है। भक्तों को निरंतर उनका स्मरण, ध्यान और पूजा -ॐ ऐं ह्रीं क्रीं कालरात्रै नमः-मंत्र का निरंतर उच्चारण करते हुए करना चाहिए। मान्यता है कि कालरात्रि की पूजा-अर्चना करने से समस्त पापों से मुक्ति मिलती है व शत्रुओं का नाश होता है, तेज बढ़ता है। माता जगदम्बे की भक्ति के लिए नवरात्रि में सातवें दिन निम्न मंत्र का जाप उतम माना गया है -एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता ।

लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्तशरीरिणी।।

वामपादोल्लसल्लोहलताकण्टकभूषणा ।

वर्धन्मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयन्करि।।

देवी सप्तशती के अनुसार मधु कैटभ नामक महापराक्रमी असुर से जीवन की रक्षा हेतु भगवान विष्णु को निंद्रा से जगाने के लिए ब्रह्मा ने निम्न मंत्र से माता की स्तुति की थी-

कालरात्रिर्महारात्रिर्मोहरात्रिश्च दारूणा।

त्वं श्रीस्त्वमीश्वरी त्वं ह्रीस्त्वं बुद्धिर्बोधलक्षणा।।

पुराणों व शाक्त निबन्ध ग्रंथों के अनुसार यह देवी काल रात्रि ही महामाया हैं और भगवान विष्णु की योगनिद्रा हैं। इन्होंने ही सृष्टि को एक दूसरे से जोड़ रखा है। देवी काल रात्रि का वर्ण जल के समान काले रंग का है, जो अमावस्या की रात्रि से भी अधिक काला है। कालरात्रि के तीन बड़े बड़े उभरे हुए नेत्र हैं जिनसे माता अपने भक्तों पर अनुकम्पा की दृष्टि रखती हैं। देवी का यह रूप ऋद्धि -सिद्धि प्रदान करने वाला माना गया है। नवरात्रि का सातवां दिन तांत्रिक क्रिया की साधना करने वाले भक्तों के लिए अति महत्वपूर्ण होता है । सप्तमी पूजा के दिन तंत्र साधना करने वाले साधक मध्य रात्रि में देवी की तांत्रिक विधि से पूजा करते हैं। इस दिन माता की आंखें खुलती हैं। षष्ठी पूजा के दिन आमंत्रित किये गए विल्व को आज तोड़कर लाया जाता है, और उससे माता की आँखें बनती हैं। नवरात्रि में सप्तमी तिथि के दिन से भक्त जनों के लिए भगवती दुर्गा का दरवाज़ा खुल जाता है और भक्तगण पूजा स्थलों पर देवी के दर्शन हेतु पूजा स्थल पर जुटने लगते हैं। सप्तमी की पूजा सुबह में अन्य दिनों की भांति ही होती है, परंतु रात्रि काल में विशेष विधि -विधान के साथ देवी की पूजा किये जाने का विधान है। इस दिन अनेक प्रकार के मिष्टान एवं कहीं -कहीं तांत्रिक विधि से पूजा होने पर मदिरा भी देवी को अर्पित की जाती है। सप्तमी की रात्रि सिद्धियों की रात भी कही जाती है। कुण्डलिनी जागरण हेतु साधनारत भक्त इस दिन सहस्रसार चक्र का भेदन करते हैं। इनकी अराधना के लिए शास्त्रों में वर्णित विधि के अनुसार पहले कलश की पूजा कर नवग्रह, दश दिक्पाल, देवी के परिवार में उपस्थित देवी - देवता की पूजा करनी चाहिए। तत्पश्चात मां कालरात्रि की पूजा करनी चाहिए। देवी कालरात्रि की पूजा से पहले उनका ध्यान-देव्या यया ततमिदं जगदात्मशक्तया, निश्शेषदेवगण

शक्तिसमूहमूर्ता

तामम्बिकामखिलदेवमहर्षिपूज्यां, भक्त नताः स्म विदाधातु शुभानि सा नः । मंत्र से करना चाहिए

(लेखक का पता : करमटोली गुमला नगर पञ्चायत ,गुमला)

संपादकीय

नैतिकता और औचित्य के सवाल उठतेलहं में हिंसा की तपिश

बिहार में पचहत्तर लाख महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए भेजे जाने की पहल निश्चित रूप से राज्य की महिलाओं के सशक्तीकरण की प्रक्रिया को मजबूत करने की कोशिश है। मगर वहां विधानसभा चुनावों के दिन करीब आने के साथ ही जिस तरह इसकी घोषणा की गई, उसमें राजनीतिक लाभ उठाने की मंशा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। यह छिपा नहीं है कि बिहार में रोजी-रोजगार की तस्वीर कैसी है और उसमें बड़े पैमाने पर गरीब तबकों के परिवारों को रोजमर्रा के खर्चे जुटाने के लिए कितने जतन करने पड़ते हैं। मगर यह कोई आज अचानक उपजी स्थिति नहीं है। लंबे समय से बिहार में कमजोर तबकों के लोग रोजी-रोटी की उम्मीद में दूसरे राज्यों में जाते रहे हैं। ऐसे में यह समझा जा सकता है कि ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए दस हजार रुपए की अहमियत क्या होगी और यह राशि मुहैया कराने वालों को वे किस रूप में देखेंगे। मगर इस सहायता राशि के लिए जो कसौटियां तय की गई हैं, उसमें इसका लाभ कितने वास्तविक जरूरतमंदों को मिलेगा, यह देखने की बात होगी। सवाल है कि बिहार सरकार को ठीक चुनावों से पहले महिलाओं की सहायता करने की सुध क्यों आई, जबकि एक बड़े तबके के बीच अभाव के हालात बहुत पुराने हैं। यह बेवजह नहीं है कि इस कवायद को चुनाव में एक बड़े वर्ग के मतदान के रुख को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय राजनीति में यह प्रवृत्ति काफी तेजी से मजबूत होती दिखी है कि चुनावों के मौके पर अलग-अलग राजनीतिक दल आम लोगों को मुफ्त की सौगात देने का वादा करते हैं। सत्ताधारी पार्टी या गठबंधन के दलों को सुविधा यह होती है कि वे अपनी सरकार के जरिए समाज कल्याण के नाम पर लोगों को कोई तोहफा मुहैया कराने में सबसे आगे हो सकते हैं। मगर इस क्रम में लोकतंत्र का जीवन मानी जाने वाली मतदान-प्रणाली को मुफ्त के आकर्षण से प्रभावित करने की कोशिश लगातार बढ़ती गई है। आम लोगों को मुफ्त की सौगात देकर उनका समर्थन हासिल करने की प्रवृत्ति पर सुप्रीम कोर्ट भी नाराजगी जता चुका है। इस चलन पर नैतिकता और औचित्य के सवाल उठते रहे हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए कुछ भी ठोस होता नहीं दिखता।

ट्रंप का टैरिफ बम: वैश्विक फार्मा पर मंडराता संकट

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जैसे ही वैश्विक बाजारों में सूर्योदय की पहली किरणें चमकीं, वॉल स्ट्रीट का ट्रेडिंग फ्लोर भूकंप की तरह कांप उठा। शेयरों की चीखें, लुढ़कते इंडेक्स और अफरा-तफरी के बीच एक नाम तूफान की तरह गूंज रहा था-डोनाल्ड ट्रंप। अमेरिकी राष्ट्रपति की आधी रात की घोषणा ने न केवल फार्मास्यूटिकल जगत को धराशायी कर दिया, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक कड़वी सच्चाई की चोटी पर ला खड़ा किया। कल्पना कीजिए, वह दवा-दुनिया जहां सस्ते दामों पर लाखों जिंदगियां टिकी हैं, अचानक महंगाई के काले बादलों में लिपट जाती है। यह कोई मामूली नीति नहीं, बल्कि 'अमेरिका फर्स्ट' का एक खतरनाक दांव है, जो अमेरिकी हितों को मजबूत करने के बहाने वैश्विक सप्लाई चेन को जड़ से उखाड़ फेंक सकता है। और भारत? 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में जाना जाने वाला यह फार्मा महासागर अब तूफान के सिरे पर खड़ा है। लेकिन क्या यह विनाश का अंतिम संकेत है, या फिर अवसरों की नई सुबह? ट्रंप का यह तीर 'अमेरिका फर्स्ट' मंत्र को एक घातक आयाम देता है। 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान न केवल घरेलू उत्पादन को पंख लगाने का प्रयास है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी ढाल बन जाता है। महामारी की वे काली रातें अभी आंखों में ताजा हैं, जब सप्लाई चेन की डोर टूटने से दवाओं की भुखमरी ने दुनिया को थर्रा दिया था। ट्रंप प्रशासन का तर्क अटल है: विदेशी निर्भरता एक जहर की घंटी है। कंपनियां अगर अमेरिका में प्लांट लगाती हैं, भले ही निर्माण शुरू हो गया हो, तो टैरिफ से छूट मिलेगी। यह प्रलोभन निवेश को ललचाता तो है, लेकिन वास्तव में वैश्विक व्यापार को एक अनिश्चित भंवर में धकेल रहा है। यूरोपीय संघ जैसे सहयोगियों पर पहले से 15 प्रतिशत की सीमा शिकंजा कस चुकी है, लेकिन यह नया बोझ उनके निर्यात को खून बहा सकता है। स्विस और जर्मन दवा दिग्गजों-लोजा, नोवार्टिस और रोश के शेयरों में 1-2 प्रतिशत की गिरावट इसका जीता-जागता प्रमाण है, जबकि एशियाई बाजारों में चुगई और सुमितोमो फार्मा जैसे नामों को 5 प्रतिशत तक का धक्का लगा। भारत, वैश्विक चेसबोर्ड का केंद्रीय मोहरा, अपने फार्मा उद्योग के दम पर 'विश्व की फार्मेसी' है। 2024 में अमेरिका को 8.7 अरब डॉलर का जेनेरिक दवा निर्यात, जो 2025 में 10.5 अरब डॉलर तक पहुंचा। अमेरिकी प्रिस्क्रिप्शन का 40% भारतीय जेनेरिक्स पर

निर्भर। ट्रंप की ब्रांडेड दवाओं पर नीति से जेनेरिक्स को तत्काल खतरा कम, क्योंकि ये 80-90% सस्ती हैं। फिर भी, 'ब्रांडेड जेनेरिक्स' को ब्रांडेड श्रेणी में शामिल करने से डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, ल्यूपिन (30-47% अमेरिकी राजस्व) को नुकसान हो सकता है। बाजार में हलचल-सन फार्मा 3-5% और फार्मा इंडेक्स 2.4% गिरा। लेकिन भारत के लिए यह संकट नहीं, अवसर है। कम लागत मॉडल और अमेरिकी प्लांट्स में निवेश (सन फार्मा, बायोकॉन) से भारतीय कंपनियां तूफान पार कर सकती हैं। यह नीति अमेरिकी उपभोक्ताओं को महंगाई दे सकती है, जबकि भारत नई रणनीतियों से चमकेगा। जेनेरिक और ब्रांडेड दवाओं का अंतर समझना जरूरी है। ब्रांडेड दवाएं मूल खोज होती हैं, जिन पर सालों की रिसर्च और अरबों डॉलर खर्च होते हैं। पेटेंट के 20 साल तक कोई कॉपी नहीं कर सकता, इसलिए कीमतें बहुत अधिक रहती हैं। दूसरी ओर, जेनेरिक दवाएं पेटेंट खत्म होने के बाद बनती हैं-वही फॉर्मूला, लेकिन बिना रिसर्च खर्च के, जिससे ये 80-90% सस्ती होती हैं। भारत का दम यहीं है: कम लागत, उच्च गुणवत्ता। 2013 से 2022 तक अमेरिकी हेल्थकेयर ने भारतीय जेनेरिक से 1.3 ट्रिलियन डॉलर बचाए। लेकिन अगर टैरिफ जेनेरिक दवाओं तक पहुंचा, तो अमेरिकी मरीजों की जेब पर भारी बोझ पड़ेगा। गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, क्योंकि दवाएं दोगुनी महंगी हो सकती हैं। ट्रंप का दावा है कि लंबे समय में स्थानीय उत्पादन से फायदा होगा, लेकिन अल्पकालिक नुकसान तय है। यह टैरिफ सिर्फ दवाओं तक सीमित नहीं। ट्रंप ने किचन कैबिनेट्स, बाथरूम वैनिटी और अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर क्रमशः 50% और 30% टैरिफ लगाया है। इससे आयातित सामान महंगा होगा, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं और बिल्डर्स पर दबाव बढ़ेगा। राष्ट्रीय होम बिल्डर्स एसोसिएशन के मुताबिक, निर्माण लागत पहले ही 30% बढ़ चुकी है। यह कदम अमेरिकी फर्नीचर उद्योग को बचाने की कोशिश है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झटका देगा। वियतनाम, चीन और मैक्सिको जैसे देशों से निर्यात प्रभावित होगा, और अमेरिका महंगा बाजार बनेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक श्रृंखलाबद्ध प्रभाव पड़ेगा। यूरोपीय यूनियन, जो अमेरिकी दवा आयात का 60% हिस्सा आपूर्ति करता है, पहले से ही 15% टैरिफ का बोझ सह रहा है। अब 100% टैरिफ का खतरा यूरोपीय ब्रांडेड दवाओं के निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। ट्रंप का चीन के साथ पुराना टकराव नया संकट पैदा करेगा, जहां फार्मा सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है। विकासशील देशों के लिए यह चुनौती और गंभीर है: सस्ती दवाओं तक पहुंच सीमित होगी, क्योंकि वैश्विक कीमतें आसमान छूएंगी। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिकी दवा लागत में सालाना 51 अरब डॉलर की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, अमेरिका में नई फैक्ट्रियों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, लेकिन अल्पकालिक मुद्रास्फीति और आपूर्ति बाधाएं वैश्विक विकास दर को 0.5-1% तक कम कर सकती हैं। भारत के लिए यह दोधारी तलवार है। चुनौती गंभीर है, निर्यात में कमी से लाखों नौकरियां दांव पर हैं। फिर भी, अवसर भी उजागर हैं। यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते बाजारों में भारत को अपनी पैठ बढ़ानी होगी। 'मेक इन इंडिया' को 'मेक इन अमेरिका' से जोड़कर द्विपक्षीय समझौतों की राह खुल सकती है। सन फार्मा और डॉ. रेड्डीज जैसी कंपनियां पहले से ही अमेरिका में अरबों रुपये का निवेश कर रही हैं। भारत को अपनी सटीक कूटनीति के दम पर चीन का भरोसेमंद विकल्प बनना होगा। भविष्य में जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़कर ब्रांडेड और बायोसिमिलर दवाओं में नवाचार अनिवार्य है। महामारी जैसे संकटों में ऐसे टैरिफ वैश्विक सहयोग को कमजोर करेंगे, इसलिए भारत को अपनी कूटनीतिक चतुराई से समाधान तलाशना होगा। अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह कदम न केवल आर्थिक, बल्कि तीक्ष्ण राजनीतिक संदेश भी देता है। ट्रंप का टैरिफ फैसला घरेलू वोटबैंक को लुभाने की चतुर रणनीति है-उद्योगपतियों को लाभ और श्रमिकों को रोजगार का आकर्षक वादा। मगर यह कदम वैश्विक कूटनीति में गहरी दरार पैदा कर सकता है। भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी हाल के वर्षों में सशक्त हुई है, लेकिन व्यापारिक तनाव इसे कमजोर करने का खतरा लाता है। फिर भी, भारत के पास सुनहरा अवसर है: चीन के मुकाबले खुद को विश्वसनीय और सुदृढ़ विकल्प के रूप में स्थापित करने का। वैश्विक स्वास्थ्य के मोर्चे पर यह नीति सहयोग को करारा झटका देगी, क्योंकि दवाएं सीमाओं से परे मानवता की साझा जरूरत हैं। ट्रंप का यह टैरिफ बम वैश्विक आर्थिक संतुलन को उथल-पुथल में डाल रहा है। अमेरिका का संदेश बिल्कुल साफ है: "हमारा हित सर्वोपरि।" भारत के सामने चुनौती विकट है, मगर रणनीतिक सूझबूझ इसे सुनहरे अवसर में बदल सकती है। वैश्विक व्यापार एक जटिल ताना-बाना है-एक धागा टूटने से पूरी व्यवस्था डगमगा सकती है। इतिहास गवाह है कि संकट ही नई ताकतों को जन्म देते हैं। भारत का फार्मा उद्योग, अपनी अदम्य लचीलता और नवाचार की शक्ति के बल पर, इस तूफान को न केवल झेल सकता है, बल्कि पहले से कहीं अधिक सशक्त होकर उभर सकता है। सवाल यह है: क्या विश्व इस दांव को स्वीकार करेगा, या नई साझेदारियों के साथ करारा जवाब देगा? समय इसका खुलासा करेगा, लेकिन यह शुरुआत निश्चित रूप से विस्फोटक है।

रेल पटरी पर सवार 'अग्नि' दुश्मन को कंपाने वाली

अरुण कुमार

रेल आधारित मिसाइल प्रणाली को सेना में शामिल करने की तैयारी कर भारत ने सामरिक क्षमता के मामले में एक बार फिर दुनिया को चौंका दिया है। रोड मोबाइल अग्नि-प्राइम को पहले ही सेना में शामिल किया जा चुका है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रणनीतिक बल कमांड (एसएफसी) ने संयुक्त रूप से रेल-आधारित मोबाइल लॉन्चर से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो देश की सामरिक क्षमता का नया रूप है। यह पहली बार है जब भारत ने ट्रेन की पटरी से मध्यम दूरी की 2000 किलोमीटर रेंज वाली यह उन्नत मिसाइल दागी। दुनिया देख रही है कि रेल पर सवार यह 'अग्नि' दुश्मन को कंपाने वाली साबित होगी। यह गर्व का विषय ही है कि दुनिया में रेल-आधारित मिसाइल लॉन्च सिस्टम विकसित करने वाले देशों में रूस, अमरीका, चीन के बाद अब भारत भी शामिल हो गया है। हालांकि उत्तर कोरिया ने भी यह क्षमता हासिल करने का दावा किया है लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। रेल-मोबाइल लॉन्चर निश्चित ही दुश्मन का मुकाबला करने में ज्यादा प्रभावी साबित होंगे। खास तौर से पाकिस्तान से सीमा साझा करने वाले प्रदेशों का मजबूत रेल नेटवर्क भारत के लिए इस सिस्टम का प्रभावी रूप से इस्तेमाल करने में मददगार साबित होगा। सामरिक क्षमता में यह वृद्धि न केवल न्यूक्लियर ट्रायड (जल-थल-नभ) की अवधारणा को मजबूत करता है, बल्कि पारंपरिक युद्ध में भी दुश्मनों में डर बैठाने वाला होगा। इसमें दो राय नहीं कि यह परीक्षण भारत को अन्य विकसित देशों के समकक्ष खड़ा कर रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारे प्रयास लगातार जारी हैं। सही मायने में रक्षा में आत्मनिर्भरता ही सुरक्षित रखने का मूल मंत्र है। रक्षा क्षेत्र में भारत की अन्य उपलब्धियां भी इसका प्रमाण हैं, जिनमें अग्नि-5 (5000 किमी रेंज), ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (रूस के साथ संयुक्त रूप से) तथा पृथ्वी एयर डिफेंस सिस्टम के बाद राफेल जेट्स के साथ एकीकृत एस-400 शामिल हैं। पिछले दिनों ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि हमारी सेनाएं भी स्वदेशी हथियारों की लगातार मांग कर रही हैं। रक्षा क्षेत्र में दुनिया के दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने की लंबे समय से जरूरत महसूस की जाती रही है। यह संतोष का विषय है कि देश को सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास लगातार बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद रेल नेटवर्क की सुरक्षा, साइबर थ्रेट्स जैसी चुनौतियों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। अस्थिरता और युद्ध की आशंकाओं से घिरे वैश्विक परिदृश्य में अब वक्त आ गया है जब भारत, रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उत्पादन के नए मानक स्थापित करे। यह तभी संभव है जब हम तकनीकी दृष्टि से स्वावलंबी बनें। विदेशी तकनीकों पर अधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए ठीक नहीं है

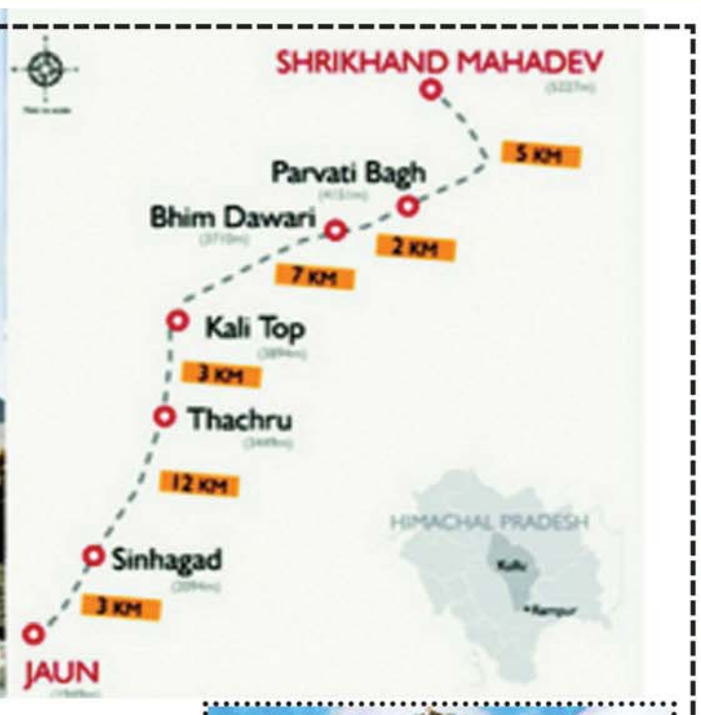

अनोखी है श्रीखंड महादेव यात्रा

आस्था से सराबोर हमारे देश में कई धर्मस्थल हैं, इनमें से ऐसे कई धर्मस्थल ऐसे भी हैं जहां धार्मिक यात्राएं की जाती हैं। इन्हीं में से एक यात्रा है, श्रीखंड महादेव यात्रा। यह यात्रा हिमाचल प्रदेश में मौजूद श्रीखंड दर्शन के लिए की जाती है। यह यात्रा वर्ष में एक बार जून-जुलाई माह में होती है। तो जानते हैं इस धार्मिक यात्रा से जुड़ी बातें

- श्रीखंड महादेव हिमाचल के ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के पास है। स्थानीय लोगों की मानें तो, इस चोटी पर भगवान शिव का वास है।
- यहां मौजूद शिवलिंग की ऊंचाई 72 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए सुंदर घाटियों के बीच से एक ट्रैक है।
- श्रीखंड महादेव के दर्शन के लिए 18570 फीट की ऊंचाई पर चढ़ना होता है।
- श्रीखंड यात्रा के लिए 25 किलोमीटर की सीधी चढाई श्रद्धालुओं के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं होती है।
- लगभग 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड यात्रा के दौरान सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की भी कमी पडती है।

धार्मिक यात्रा का पौराणिक महत्व

पौराणिक मत के अनुसार, एक बार एक दैत्य भस्मासुर ने शिव को तप से प्रसन्न कर वरदान मांगा था कि वह जिस पर भी अपना हाथ रखेगा तो वह भस्म होगा। दैत्य स्वभाव होने के कारण उसने माता पार्वती से शादी करने इच्छा हुई। तब भस्मापुर ने शिव के ऊपर हाथ रखकर उन्हें भस्म करने की योजना बनाई, लेकिन भगवान विष्णु ने मोहिनी रुप रख, उससे नृत्य करने की मंशा जाहिर की और इस तरह नृत्य में ही उसका हाथ उसके सिर पर रखवा दिया। जिससे भस्मासुर जलकर भस्म हो गया। कहते हैं जहां भस्मासुर का अंत हुआ था। श्रीखंड महादेव मंदिर परिसर में वो जगह वर्तमान में भी मौजूद है।

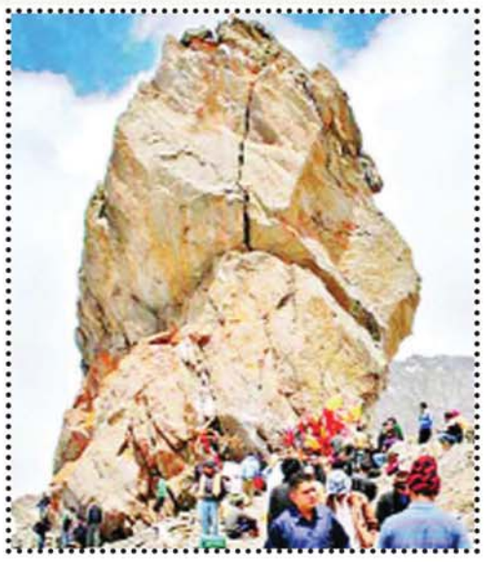

यात्रा के लिए यहां से करते हैं शुरूआत

जून-जुलाई में शुरू होने वाली यात्रा के लिए भक्त हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर से कुल्लू जिला और फिर यहां से निरमंड से होते हुए बागीपुल पहुंचते हैं। और यहां से शुरू होती है 30 किमी की आस्था से सराबोर यात्रा।

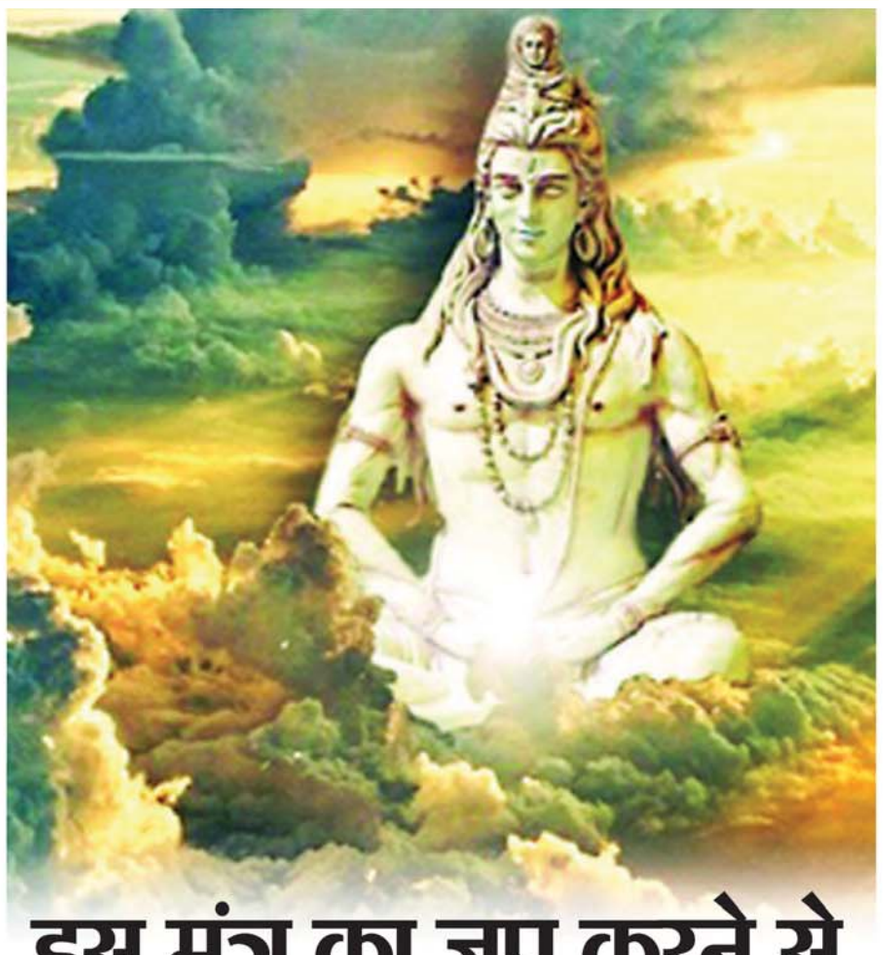

इस मंत्र का जप करने से नहीं आती अकाल मृत्यु

मौत जिंदगी का अंतिम सत्य है। इस सत्य से आप किनारा नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस व्यक्ति ने इस पृथ्वी पर जन्म लिया है। उसकी मौत निश्चित है। लेकिन ये मौत अकाल मौत न हो इसके लिए कुछ उपाय करना बेहद जरूरी है। क्योंकि ईश्वर ने आपको एक तय उम्र दी है। जिसमें आप नेक कर्म कर जन्म-जन्मांतर के चक्र से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए अकाल मृत्यु से बचने के लिए आप ये उपाय जरूर आजमाएं...

- शिवपुराण के अनुसार जो महाकाल के भक्त होते हैं उनका काल भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
- अकाल मृत्यु से बचने के लिए जल में तिल और शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करना चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय शनिवार को करने से अकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है।
- शनि देव की शनिवार के दिन पूजन से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए हर शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने वाले व्यक्ति से अकाल मौत का खतरा दूर हो जाता है।
- नौ ग्रहों में सबसे क्रूर माने जाने वाले शनिदेव की कृपा पाने के लिए शनिवार को उनके पूजन के अलावा उनसे संबंधित वस्तुओं का दान करना चाहिए। ऐसा करने से शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है और अकाल मृत्यु का भय नहीं सताता है।
- भगवान सदैव उन लोगों की रक्षा करते हैं जो उनकी शरण में जाते हैं। इसलिए ईश्वर पर आस्था रखकर इन मृत्यु टालने के उपाय को करने से इसका फायदा ज़रूर मिलता है।

भोजन में शामिल करें ये चीजें
ग्रहों के कोप से मिलेगा छुटकारा

नवग्रहों को प्रसन्न करने के लिए उपासना, यज्ञ और रत्न आदि धारण करने का विधान है। हम लोग जड़ की अपेक्षा सीधे जीव से संबंध स्थापित रखें तो ग्रह अतिशीघ्र प्रसन्न हो सकते हैं। ज्योतिष ग्रंथ जातक पारिजात में बताया गया है, व्यक्ति किस तरह का भोजन करता है, इसका सीधा संबंध ग्रहों से है। यथोचित और शुद्ध भोजन ग्रहण करके भी नवग्रहों को प्रसन्न किया जा सकता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए गेहूं, आम और गुड़ को भोजन में शुमार करें। चन्द्र मन का कारक ग्रह है। इसे अनुकुल करने के लिए गन्ना, चीनी, आईसक्रीम, मिठाईयां, दूध और दूध से बने पदार्थ खाएं। बुद्धि के कारक बुद्ध ग्रह को शुभ करने के लिए मटर, ज्वार, मूंग, हरि सब्जियां आहार में शामिल करें। धन, पुत्र और विद्या के दाता बृहस्पति को फेवर में करने के लिए चने और चने से संबंधित चीजें, केला, हल्दी, सेंधा नमक, पीले रंग की दालें और फल खाएं। शुक्र के निर्बल या अशुभ होने पर जातक की अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति होती है, समाज में मान-सम्मान नहीं मिलता तथा अनेक सुखों का अभाव रहता है। जीवन में मनचाहा प्रेम और सौंदर्य शुक्र ग्रह की बदौलत ही प्राप्त होता है। ये भोज्य पदार्थ खाने से ये अनुकुल प्रभाव देने लगते हैं त्रिफला, दालचीनी, कमलगट्टे, सफेद शलगम, मूली, मिश्री। शनि की टेढ़ी नजर से बचने के लिए खाने में तिल, उड़द, मूंगफली का तेल, अचार, लौंग, तेज पत्ता ग्रहण करें। उड़द, तिल और सरसों राहू-केतू का अशुभ प्रभाव दूर करने में सहायक हैं।

कैसा होना चाहिए मंदिर जाते समय पहनावा

जब भी किसी भी धर्मस्थल पर जाते हैं तो कपड़े ऐसे होने चाहिए जो शालीन हों और पहनने में सहज हों। क्योंकि जब मंदिर में भगवान के सामने सिर झुकाते हैं या खुदा के सामने सजदा करते हैं तो शालीन और सहज कपड़े पहने होने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं होती। और यदि आप काफी तंग कपड़े पहने होते हैं तो इस तरह की समस्या आना आम है। ऐसे में भक्त का सारा ध्यान अपने वस्त्रों पर होता है। भगवान पर नहीं। याना आस्था और मनोकामना के लिए धर्म स्थल पर आना पूरी तरह से व्यर्थ हो जाता है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि, राजा-महाराजा और आम आदमी धोती पहना करते थे। यह काफी सहज होती है। ऐसे में जब वो मंदिर जाते या फिर यज्ञ हवन करते तो उन्हें उठने-बैठने और चलने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। और उनका पूरा ध्यान ईश्वर की आराधना में रहता था। हालांकि यह परंपरा आज भी जारी है। इसलिए देश के भव्य मंदिरों में पूजा अर्चना करते समय पारंपरिक वस्त्रों को ही पहना जाता है। इन वस्त्रों का रंग अमूमन पीला और लाल होता है। वह इसीलिए कि पीला रंग सकारात्मकता को दर्शाता है तो लाल रंग स्वयं देवी का का रंग है। जो अपना आध्यात्मिक महत्व रखता है।

गौ परिक्रमा से मिलते हैं ढेरों लाभ

विष्णुधर्मोत्तरपुराण के अनुसार व्यक्ति के किसी भी अनिष्ट की निवृत्ति के लिए गौमाता के पूजन का विधान किया गया है। अनेक तरह के अरिष्टकारी भूचर, खेचर और जलचर आदि दुर्योग उस व्यक्ति को छू भी नहीं सकते जो नित्य गौमाता की सेवा करता है या फिर रोज गौमाता के लिए चारे या रोटी का दान करता है। तिल, जौ व गुड़ का बना लड्डू नौ गायों को खिलाने से व परिक्रमा करने से संतान प्राप्ति एवं मनोवांछित फल मिलता है। पति-पत्नी में आपसी मनमुटाव या क्लेश रहता हो तो दोनों गठजोड़े से गऊमाता की परिक्रमा करें एवं घर से रोटी बनाकर तिल के तेल से चुपड़ कर गुड़ के साथ नौ गायों को खिलाएं। घर में सुख-शांति बनी रहेगी। गर्भवती महिलाएं नौ माह में प्रत्येक अमावस्या व पूर्णिमा पर परिक्रमा कर लें तो सामान्य डिलीवरी से संतान होगी। प्रतिदिन भोजन करने से पहले एक रोटी व गुड़ अपने हाथ से देसी गाय को खिलाने से एवं गाय के मुंह से लेकर पूंछ तक हाथ फैर कर अपने शरीर पर हाथ फेरने से शरीर का संतुलन बना रहता है। गाय को जौ खिलाएं और उसके गोबर में से जौ निकले, उसे धोकर खीर बना कर एक चम्मच गाय का घी डालकर गर्भवती महिलाएं अंतिम माह में खाएं। यह साधारण डिलीवरी में सहायक है। जिन बच्चों की शादी में अनावश्यक विलम्ब हो रहा हो, वे स्वयं विधिपूर्वक गाय की पूजा करके नौ रोटी व गुड़ खिलाएं जिससे मनवांछित फल प्राप्त होगा। गाय के आगे वाले पांव पर कुमकुम, अक्षत, पुष्प, जल, दूध, गुड़ से पूजन करने से घर में सुख-शांति व मोक्ष की प्राप्ति होती है। जिनके बच्चे कहने पर नहीं चलते हैं, मनमानी करते हों, ऐसे बच्चों के माता-पिता गौ माता की नौ परिक्रमा करें। बच्चे को एक बूंद गौमूत्र व गंगाजल, दूध या चाय में मिलाकर पिलाएं। बालक आज्ञाकारी होगा। आज्ञाकारी एवं मनवांछित संतान प्राप्ति के लिए पति एवं पत्नी दोनों गर्भधारण करने के पश्चात बछिया को दूध पिलाती हुई गाय की परिक्रमा करें। गौ धूलि बेला के समय गौ माता की परिक्रमा करने से भी समस्याओं का अंत होता है।

हनुमानजी को प्रसन्न करने के अचूक उपाय

एक बार शनिदेव ने हनुमान जी को अपने साथ युद्ध करने के लिए ललकारा। हनुमान जी उनसे युद्ध करना नहीं करना चाहते थे, तब उन्होंने शनि को अपनी पूंछ से बांधकर ब्रह्मांड के चक्कर लगवा दिए। शनिदेव का शरीर पूरी तरह से छलनी हो गया। उनके शरीर से रक्त की धार बह रही थी। वह हनुमान से खुद को छोड़ने का आग्रह करने लगे। हनुमानजी ने उन्हें एक शर्त पर छोड़ा कि वो उनके भक्तों को कभी परेशान नहीं करेंगे। शनिदेव उनकी इस बात को मान गए।

- मंगलवार के दिन लाल वस्त्र पहने हनुमान जी को लाल रंग बेहद पसंद है।
- हर मंगलवार को हनुमान जी को बनारसी पान अर्पित करें। इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान जी को खुश रखने के लिए गरीबो की मदद करें, हर किसी के साथ अच्छा व्यवहार रखें और अपने माता पिता का हमेशा सम्मान करें।
- हनुमान जी की पूजा करते वक्त हनुमान जी को सिंदूर चढाएं इससे हनुमान जी आपसे प्रसन्न रहेंगे।
- हनुमान चालीसा में वर्णित है कि, किसी अन्य देव की पूजा करने से शायद आपको फल मिलने में थोड़ा समय लग जाए लेकिन हनुमान की अराधना तुरंत फल देती है।
- मंगलवार के दिन राम मंदिर में जाएं। हनुमान जी के मस्तक का सिंदूर दाहिने हाथ के अंगूठे से लेकर सीता माता के श्री रूप के श्री चरणों में लगा दें। अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए प्रार्थना करें।
- मंगलवार की सुबह स्नान करने के बाद बड़ के पेड़ का एक पत्ता तोड़ें और इसे साफ पानी से धो लें। अब इस पत्ते को कुछ देर हनुमानजी के सामने रखें। इसके बाद इस पर केसर से श्रीराम लिखें। अब इस पत्ते को अपने पर्स में रख लें। ऐसा माना जाता है कि इससे पर्स में पैसे बने रहते हैं।

कबड्डी-बास्केटबॉल प्रतियोगिता की ट्रायल तिथि घोषित

एजेंसी

मुरादाबाद। प्रदेश स्तरीय सीनियर बास्केटबॉल (महिला) और सब जूनियर कबड्डी (बालक) प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली मंडलीय टीम के चयन के लिए ट्रायल की तिथि घोषित कर दी गई है। मुरादाबाद बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव नासिर कमाल ने बताया कि बास्केटबॉल का जिला स्तर पर ट्रायल 3 अक्टूबर और मंडल स्तर पर ट्रायल 4 अक्टूबर को होगा, वहीं कबड्डी का जिला स्तरीय ट्रायल 9 अक्टूबर एवं मंडल स्तरीय ट्रायल 10 अक्टूबर को होगा। यह सभी ट्रायल नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहार मुरादाबाद में सुबह 11 बजे से आयोजित होंगे। बास्केटबॉल की प्रदेशीय प्रतियोगिता पांच से आठ अक्टूबर तक मेरठ में और कबड्डी की प्रदेशीय प्रतियोगिता 13 से 15 अक्टूबर तक गौतमबुद्ध नगर में प्रस्तावित है।

अंडर-23 क्रिकेट टीम के ट्रायल में शामिल होंगे मुरादाबाद के 12 खिलाड़ी

मुरादाबाद। मुरादाबाद डिस्ट्रक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने अंडर-23 आयुवर्ग की टीम के लिए फाइनल ट्रायल की तिथियों का एलान कर दिया है। यह ट्रायल 28 से 30 सितंबर तक कानपुर के कमला क्लब में आयोजित होंगे। इस ट्रायल में मुरादाबाद से 12 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें आर्यन चौधरी, सिद्धार्थ चौधरी, मो. मोहसिन, सुरजीत कुमार, अंश यादव, पर्व सिंह, जतिन कुमार, मैसुल आजम, मिर्जा इंतजार बेग, अभिषेक सांगवान, हर्षित विश्नोई और सार्थक चौधरी शामिल हैं। डीएसए सचिव विजय गुप्ता ने आगे बताया कि सभी खिलाड़ियों को 28 सितंबर को ट्रायल स्थल पर आधार कार्ड, पंजीकरण रसीद और जन्म प्रमाणपत्र के साथ रिपोर्ट करना होगा।

गुंतास कौर संधू बनी भारत की नंबर 1 महिला एमेच्योर गोल्फर

चंडीगढ़। राउंडग्लास गोल्फ़ अकादमी की 14 वर्षीय गोल्फ़र गुंतास कौर संधू नवीनतम इंडियन गोल्फ़ यूनियन (आईजीयू) लेडीज़ एमेच्योर मेरिट सूची में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत की नंबर 1 रैंक्ड महिला एमेच्योर गोल्फ़र बन गई हैं। यह उपलब्धि उन्हें तमिलनाडु लेडीज़ एंड गर्ल्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली। यह प्रतियोगिता 22 से 25 सितंबर तक कोयंबटूर गोल्फ़ क्लब में आयोजित हुई, जिसमें चंडीगढ़ की गुंतास कौर संधू ने ए एंड बी संयुक्त श्रेणी और बी गर्ल्स श्रेणी, दोनों में खिताब अपने नाम किया। गुंतास ने प्रतियोगिता के दौरान अद्भुत स्थिरता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। उन्होंने ए एंड बी गर्ल्स संयुक्त श्रेणी तथा बी गर्ल्स श्रेणी दोनों में जीत दर्ज की। उनके स्कोर 77-79-74 रहे, जिससे कुल स्कोर 230 रहा। इन विजयों के अलावा, उन्होंने लेडीज़ एवं ए एंड बी गर्ल्स संयुक्त श्रेणी में उपविजेता का स्थान भी प्राप्त किया। राउंडग्लास गोल्फ़ अकादमी की ही रेनूर मलिक ने बी गर्ल्स श्रेणी में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि राशि मिश्रा ए गर्ल्स श्रेणी में पाँचवें स्थान पर रहीं। अपनी सफलता के बाद गुंतास ने कहा, कम उम्र में भारत की नंबर 1 एमेच्योर गोल्फ़र बनना बेहद शानदार अनुभव है। कोयंबटूर में मिली जीत ने मुझे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुँचाया और यह मेरी मेहनत को और आगे बढ़ाने की प्रेरणा है।

ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम ने भारतीय जूनियर महिला हॉकी को हराया

कैनबरा,। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया टूर के अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-21 टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में खेला गया। भारत के लिए लक्षंतलुआंगी (47प्रतिशत) और सोनम (54प्रतिशत) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया की ओर से बियांका जुरर (36प्रतिशत), एवी स्त्रांसबी (45प्रतिशत) और सैमी लव (59प्रतिशत) ने गोल किए। पहला हाफ गोल रहित रहा, क्योंकि दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर में गोल करने में सफलता नहीं पाई। 36वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए बियांका जुरर के गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद 45वें मिनट में एवी स्त्रांसबी के पेनल्टी कॉर्नर गोल से ऑस्ट्रेलिया ने बढ़त को और मजबूत किया। चौथे क्वार्टर में भारत ने वापसी की और दो महत्वपूर्ण गोल करके बराबरी बनाई। पहले 47वें मिनट में लक्षंतलुआंगी ने पेनल्टी कॉर्नर का गोल किया और अंतर कम किया, उसके बाद 54वें मिनट में सोनम ने फील्ड गोल कर खेल को फिर से बराबरी पर ला दिया। हालांकि, मैच के समाप्ति से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया की सैमी लव ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करके टीम को 3-2 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

एशिया कपः सुपर ओवर में भारत ने श्रीलंका को हराया, निसंका का शतक व्यर्थ

एजेंसी

दुबई। एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण का अंतिम मैच भले ही अंकतालिका पर कोई असर डालने वाला नहीं था, लेकिन रोमांच और उतार-चढ़ाव ने इसे टूर्नामेंट का सबसे यादगार मुकाबला बना दिया। दुबई में शुक्रवार देर रात तक चले इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत और श्रीलंका दोनों ने 20-20 ओवरों में 202 रन बनाए। नतीजा सुपर ओवर पर गया, जहाँ श्रीलंका केवल 2 रन ही बना सका और भारत ने आसानी से जीत दर्ज कर ली। भारत ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और पावरप्ले में ही 71 रन जड़ दिए। शुभमन गिल जल्दी आउट हुए, लेकिन अभिषेक शर्मा (61, 22 गेंदों में अर्धशतक) ने एक बार फिर विस्फोटक अंदाज दिखाया। बीच के ओवरों में सूर्यकुमार यादव असफल रहे, पर संजू सैमसन और तिलक वर्मा ने साझेदारी निभाकर

रन गति को बनाए रखा। आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल के छक्के और तिलक वर्मा (नाबाद 49) की समझदारी भरी पारी ने भारत को 202/5 तक पहुँचा दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने भी जोरदार शुरुआत की। पावरप्ले में 72 रन जुड़ गए। पथुम निसंका (107, 58 गेंद) और कुसल परेरा (58) ने 127 रन की रिकॉर्ड साझेदारी कर भारत पर दबाव बना दिया। हालांकि, मध्य ओवरों में कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने विकेट निकालकर वापसी कराई। अंतिम ओवर में श्रीलंका को 12 रन चाहिए थे। निसंका पहली गेंद पर आउट हो गए, लेकिन दासुन शनाका ने आखिरी गेंद तक संघर्ष किया और मैच बराबरी पर खत्म हुआ।

सुपर ओवर - श्रीलंका का बिखराव, भारत की आसान जीत

सुपर ओवर में श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। कुसल परेरा पहली गेंद पर आउट हो गए और दासुन शनाका भी तुरंत चलते बने। श्रीलंका केवल 2 रन बना सका। जवाब में भारत ने पहली ही गेंद पर सूर्यकुमार यादव के तीन रन से लक्ष्य हासिल कर मैच जीत लिया।

झांसी के केतन कुशवाहा ढाई लाख में बंगाल टाइगर्स के हुए

एजेंसी

झांसी। नगर के युवा हॉकी खिलाड़ी केतन कुशवाहा हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में खरीदे जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। बंगाल टाइगर्स ने 14 वर्षीय केतन कुशवाहा को ढाई लाख रुपये में अनुबंधित किया जिससे वह पूल में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। एचआईएल 2024-25 सीजन 28 दिसंबर से 1 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें आठ पुरुष टीमें सूरमा हॉकी क्लब, गोनासिका,श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, तमिलनाडु ड्रैगंस, हैदराबाद तूफांस,यूपी रुद्रास,दिल्ली एसजी पाइपर्स,कलिंगा लांसर्स और छह महिला टीमें शामिल होंगी। मैच दो स्थानों पर खेले जाएंगे , जिनमें रांची, झारखंड में मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला, ओडिशा में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम शामिल हैं।

सऊदी प्रो लीगः रोनाल्डो और सादियो माने के गोल से अल नास्र ने अल इत्तिहाद को 2-0 से हराया

एजेंसी

जेद्दा। सऊदी प्रो लीग के शीर्ष मुकाबले में अल नास्र ने मौजूदा चैम्पियन अल इत्तिहाद को 2-0 से मात दी। टीम की ओर से क्रिस्टियानो रोनाल्डो और सादियो माने ने गोल दागे। इस जीत के साथ अल नास्र ने चार मैचों में 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान बनाए रखा, जबकि अल इत्तिहाद नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के शानदार टिफो और गगनभेदी नारों के बावजूद अल इत्तिहाद शुरुआत से ही दबाव में दिखा। मैच की पहली सीटी से ही अल नास्र ने खेल पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया। मैच के 9वें मिनट में किंग्सले कोमन ने दाईं विंग से शानदार क्रॉस किया। गेंद पर दौड़ते हुए पहुंचे माने ने बैक पोस्ट पर बेहतरीन वॉली लगाकर अल नास्र को 1-0 की बढ़त दिलाई।14वें मिनट में रोनाल्डो ने कोमन के क्रॉस पर हेडर से गोल करने का मौका गंवा

दिया, लेकिन 35वें मिनट में उन्होंने चूक नहीं की। इस बार माने ने क्रॉस दिया और रोनाल्डो ने पास को सटीक हेडर से गोल में तब्दील कर स्कोर 2-0 कर दिया। करीम बेंजेमा ने स्टीवन बर्गवाइन को कुछ मौकों पर गेंद पहुंचाई, मगर वह मौके का फायदा नहीं उठा सके। दूसरे हाफ में अल नास्र ने खेल की रफ्तार धीमी की, लेकिन आक्रमण जारी रखा। जोआओ फेलिक्स को गोल करने के कई मौके मिले, मगर वह नाकाम रहे। 39वें मिनट में माने के क्रॉस पर उनका शॉट बार के ऊपर चला गया। 58वें मिनट में नवाफ़ बोउशल ने रोनाल्डो को खाली गोल पर पास दिया, लेकिन पुर्तगाली स्टार गेंद को बार के ऊपर मार बैठे। यह मैच का सबसे आसान और बड़ा मौका था।

एशिया कप फाइनल से पहले भारत को झटका, हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर संशय, अभिषेक शर्मा ठीक

एजेंसी

नई दिल्ली। दुबई में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए सुपर फोर मुकाबले की दूसरी पारी के दौरान अभिषेक शर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को ऐंठन की समस्या के चलते मैदान से बाहर रहना पड़ा। जहां अभिषेक अब पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं, वहीं हार्दिक की स्थिति का आकलन शनिवार को किया जाएगा, ताकि रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले एशिया कप फाइनल के लिए फैसला लिया जा सके।

भारत के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने मैच के बाद कहा, हार्दिक की स्थिति का आकलन किया जाएगा और उसके बाद फैसला लिया जाएगा। अभिषेक ठीक हैं। दोनों ही केवल ऐंठन से जूझ रहे थे। हार्दिक पंड्या गेंदबाज़ी का सिर्फ एक ही ओवर फेंककर मैदान से बाहर चले गए, जबकि अभिषेक ने 9.2 ओवर तक फील्डिंग की और फिर उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। अभिषेक ने इस मैच में 31 गेंदों पर 61 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और एक बार फिर भारत के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज़ साबित हुए। हालांकि सुपर

ओवर के दौरान वे बल्लेबाजी करने नहीं उतरे और उनकी जगह शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच खत्म किया। भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए इस सुपर फोर मुकाबले का अंत रात हुआ और फाइनल रविवार को होना है। ऐसे में टीम इंडिया ने शनिवार को अभ्यास सत्र न करने का फैसला लिया है। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने शनिवार शाम 6 से 9 बजे तक आईसीसी अकादमी में अभ्यास निर्धारित किया है। मोर्केल ने कहा, लड़कों के लिए आराम सबसे अहम है। वे सभी बर्फ के बाथ ले रहे हैं और रिकवरी तुरंत शुरू हो गई है। सबसे अच्छी रिकवरी नींद से होती है और पैरों को आराम देने से मिलती है। कल सुबह खिलाड़ियों के लिए व्यक्तिगत पूल सेशन रखा जाएगा। उसके बाद मालिश और मानसिक रूप से खुद को बड़े मुकाबले के लिए तैयार करना अहम होगा। उन्होंने आगे कहा, इतना कम समय है कि स्मार्ट तरीके से तैयारी करना ही महत्वपूर्ण होगा। लेकिन निश्चित तौर पर कोई नेट प्रैक्टिस नहीं होगी।

आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप : जोनाथन गेविन एंटनी ने जीता स्वर्ण, रश्मिका को रजत

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के 16 वर्षीय जोनाथन गेविन एंटनी ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में जारी आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन नई दिल्ली 2025 के दूसरे दिन शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। युवा भारतीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में खिताब अपने नाम किया। एंटनी, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में 586-19× के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया था, ने फाइनल में भी अपना दमखम बरकरार रखते हुए 24 में से 21 शॉट 10 में मारे और 8.5 अंकों के बड़े अंतर से स्वर्ण जीता। इटली के लुका अरिघी ने 236.3 (572-21×) अंकों के साथ रजत जीता, जबकि स्पेन के लुकास सांचेज़ टोमे ने 215.1 (573-11×) अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल किया। फाइनल में टूर्नामेंट का पहला शूट-ऑफ भी देखने को मिला, जहां ईरान के होसैन गोहारी ने इटली के गेब्रिएले आल्डो विलानी को 156.8 के स्कोर

पर बराबरी के बाद पछाड़ दिया और छठा स्थान पाया। गोहारी आगे चलकर 174.8 (572-12×) के साथ पाँचवें स्थान पर रहे। इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट्स व्लादिस्लाव मकारोव (194.3) और इगोर टुपित्स्यम (134.9) क्रमशः चौथे और सातवें स्थान पर रहे। भारत के चिराग शर्मा, जिन्होंने 578-15× के स्कोर से क्वालिफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल किया था, फाइनल में 115.6 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहे। जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट एवलिना शीना ने संयमित प्रदर्शन करते हुए शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखी और 240.9 अंकों के साथ स्वर्ण जीता। भारत की रश्मिका सहगल, जिन्होंने 573-17× के स्कोर से पाँचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन वह एवलिना से 4.8 अंक पीछे रहीं और 236.1 अंकों के साथ रजत अपने नाम किया। ईरान की फातेमा शेकरी, जिन्होंने 567-14× के साथ आठवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 213.8 अंकों के साथ कांस्य जीता। अन्य भारतीय फाइनलिस्टों में, वंशिका चौधरी, जिन्होंने 576-17× के स्कोर से क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था, 18 शॉट के बाद 174.2 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं, जबकि मोहिनी सिंह, जिन्होंने 576-12× के साथ दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर किया था, 153.2 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं।

हिमाचल की सब-जूनियर टीम ने जीती बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में लगातार जीत

एजेंसी

मंडी। पी.एस.एन.ए. इंजीनियरिंग कॉलेज डिंडिगुल तामिलनाडु में चल रही 44वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में हिमाचल प्रदेश की लड़कों और लड़कियों की टीम ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। हिमाचल प्रदेश की लड़कों की सब-जूनियर टीम ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए पहले दिल्ली को कड़े मुकाबले में दो के मुकाबले एक सेट से हराया। इसके बाद टीम ने उत्तर प्रदेश को भी 2-1 से मात दी। तीसरे मुकाबले में मणिपुर को सीधे सेटों में 2-0 से पराजित कर टीम ने अगले दौर में जगह पक्की कर ली। महिला वर्ग में हिमाचल की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले दो मैचों में मणिपुर और जम्मू-कश्मीर को सीधे सेटों में 2-0 से हराया। इस जीत के साथ महिला टीम ने भी अगले दौर में प्रवेश किया है। यह प्रतियोगिता भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर से सब-जूनियर स्तर की प्रमुख टीमें भाग ले रही हैं। हिमाचल की टीम का यह प्रदर्शन राज्य में उभरते खिलाड़ियों के उत्साह और मेहनत को दर्शाता है।

सूर्यकुमार यादव आचार संहिता उल्लंघन के दोषी, लगा मैच फीस का 30 फीसदी जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी ने एशिया कप के 14 सितम्बर को ग्रुप मैच के बाद दिए गए बयानों को लेकर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने सूर्यकुमार की 'दोषी न होने' की दलील खारिज कर दी और उन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। भारतीय टीम ने इस फैसले के खिलाफ अपील की है। सूर्यकुमार ने उस मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया था। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि यह समर्पण पाकिस्तान के खिलाफ मई में हुई सैन्य कार्रवाई में शामिल भारतीय जवानों के लिए था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसे

राजनीतिक संदेश बताते हुए आईसीसी से शिकायत की थी और मांग की थी कि सूर्यकुमार पर लेवल-4 का दंड लगाया जाए। पीसीबी ने अपनी शिकायत में कहा कि पहले भी आईसीसी खिलाड़ियों को राजनीतिक संदेश देने से रोक चुका है। उदाहरण के तौर पर हाल ही में उस्मान ख्वाजा को "Freedom is a human right" लिखे जूते पहनने की अनुमति नहीं दी गई थी। उधर, 21 सितम्बर को खेले गए सुपर-4 मुकाबले में पाकिस्तान के दो खिलाड़ी साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ भी विवादों में आए। फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद बंदूक चलाने का इशारा किया, जबकि रऊफ को सीमा रेखा पर विमान गिराने जैसी हरकतें करते कैमरे में कैद किया गया। दोनों खिलाड़ियों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है, हालांकि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। आईसीसी सूत्रों के मुताबिक फरहान और रऊफ ने भी खुद को निर्दोष बताया और कहा कि उनकी हरकतें राजनीतिक प्रकृति की नहीं थीं, लेकिन यह माना जा रहा है।

पीकेएल-12: आशु मलिक का शानदार 'शतक', दिल्ली ने यू मुंबा को 21 अंकों से रौंदा

एजेंसी

जयपुर। कप्तान आशु मलिक (23 अंक) की करिश्माई रेडिंग के दम पर दबंग दिल्ली ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 के 50वें मुकाबले में यू मुंबा को 47-26 के बड़े अंतर से हराकर अंकतालिका में नंबर-1 स्थान फिर से हासिल कर लिया। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आशु मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने इस सीजन के 100 रेड प्वाइंट पूरे किए। उन्होंने मुकाबले में छठा सुपर-10 भी लगाया। दिल्ली के लिए नीरज नरवाल ने 7 और डिफेंस में फजल अत्राचली ने 4 अंक जोड़े। वहीं, यू मुंबा की ओर से सिर्फ संदीप कुमार लड़े, जिन्होंने 11 अंक बटोरे। दिल्ली ने शुरुआत में थोड़ी जद्दोजहद के बाद बढ़त बनाई। पहले हाफ के अंत तक आशु मलिक की रेडिंग के दम पर दिल्ली 19-17 से आगे थी। दूसरे हाफ में फजल अत्राचली और सुरजीत की दमदार

डिफेंसिव जोड़ी के साथ आशु ने सुपर रेड लगाकर मुंबा को दूसरी बार ऑलआउट किया। इसी दौरान आशु ने अपने 100 रेड प्वाइंट पूरे किए।दिल्ली ने मैच में कुल तीन बार यू मुंबा को ऑलआउट किया और 30वें मिनट के बाद लगातार अंतर बढ़ाती चली गई। अंतिम क्षणों में भी आशु मलिक ने सुपर रेड से 23 अंक पूरे कर अपनी टीम को 21 अंकों की प्रचंड जीत दिलाई। इस जीत से दबंग दिल्ली ने 8 मैचों में 7वीं जीत दर्ज की और 14 अंकों के साथ फिर से शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। दूसरी ओर, यू मुंबा को 9 मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा।

जुबीन गर्ग को समर्पित होगा महिला वर्ल्ड कप का उद्घाटन मैच

एजेंसी

गुवाहाटी। आगामी 30 सितम्बर से शुरू होने वाले आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का उद्घाटन दिवंगत गायक जुबीन गर्ग की स्मृति को समर्पित रहेगा। इस विशेष अवसर पर एसीए क्रिकेट स्टेडियम, वर्षापाड़ा में आयोजित होने वाले मैच के लिए पांच हजार टिकट जुबीन गर्ग के

चाहने वालों को निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। उद्घाटन समारोह में संगीत की महफ़िल सजेगी, जिसमें अंगराग महंत (पापोन), जय बरुवा, श्रेया घोषाल और शिलांग क्वायर बैंड अपने सुरों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।इस संबंध में वर्षापाड़ा स्थित एसीए क्रिकेट स्टेडियम में आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बीसीसीआई के सचिव देबोजीत सैकिया ने उपरोक्त जानकारी दी। इस मौके पर एसीए के सचिव भी मौजूद थे। बीसीसीआई के सचिव देवोजीत सैकिया ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बताया कि यह आयोजन जुबीन गर्ग की अमर यादों को सलाम करने का प्रयास है।

एमडीएनआईवाई, नई दिल्ली में प्रथम पैरा नेशनल योगासन चैम्पियनशिप 2025-26 का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली में शुक्रवार से 3 दिवसीय प्रथम पैरा नेशनल योगासन चैम्पियनशिप 2025-26 की शुरुआत भव्यता और प्रेरणा के साथ हुई। खेल मंत्रालय से मान्यता प्राप्त इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन योगासन भारत और नवयोग सूर्योदय सेवा समिति द्वारा दिव्यांग सेवा संस्थान के सहयोग से किया जा रहा है। प्रतियोगिता 26 से 28 सितम्बर तक आयोजित होगी। उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव ने दीप प्रज्वलित कर चैम्पियनशिप का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ÷प्रथम पैरा योगासन चैम्पियनशिप का उद्घाटन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं बल्कि दिव्यांगजन को प्रोत्साहित करने का एक महत्त्वपूर्ण मंच है। इस आयोजन से समाज में जागरूकता बढ़ेगी। योग किसी विशेष वर्ग तक सीमित नहीं, यह सभी के लिए है। भविष्य में हम विश्व पैरा योगासन चैम्पियनशिप भी आयोजित करेंगे। इस अवसर पर मंच पर योगासन भारत एवं वर्ल्ड योगासन के महासचिव डॉ. जयदीप आर्य (अध्यक्षता), प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजेश अग्रवाल, सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सुधांशु मित्तल, अध्यक्ष, भारतीय खो-खो महासंघ, उदित शेट, अध्यक्ष, योगासन भारत तथा वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव,

आयुष मंत्रालय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। 'दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए योगासन खेल की आवश्यकता' विषय पर सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें योग के माध्यम से आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता स्थापित करने पर प्रकाश डाला गया।

एमडीएनआईवाई अधिकारियों द्वारा संकेत भाषा संवेदनशीलता कार्यशाला आयोजित की गई, ताकि प्रतिभागियों व दर्शकों को मूक-बधिर बच्चों की भावनाओं को समझने में मदद मिल सके। दिव्यांग सेवा संस्थान के बच्चों द्वारा एक भावनात्मक चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें उनकी अदम्य प्रतिभा और जज़्बे को दर्शाया गया। प्रतियोगिता में कुल 200 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें 20 दृष्टिबाधित महिला खिलाड़ी, 38 दृष्टिबाधित पुरुष खिलाड़ी, 43 बधिर पुरुष खिलाड़ी और 100 से अधिक शारीरिक रूप से दिव्यांग खिलाड़ी शामिल हैं। इस अवसर पर डॉ. जयदीप आर्य, महासचिव, योगासन भारत एवं वर्ल्ड योगासन ने कहा, ÷एमडीएनआईवाई, जो योग का आध्यात्मिक घर है, में प्रथम पैरा नेशनल योगासन चैम्पियनशिप का उद्घाटन हमारे लिए गर्व का विषय है। यह आयोजन योगासन खेलों के इतिहास में नए युग का आरंभ है। आज हम केवल एक खेल प्रतियोगिता का नहीं, बल्कि मानवता और समावेशिता की सशक्त अभिव्यक्ति का उत्सव मना रहे हैं। प्रधानमंत्री सेवा पखवाड़ा को समर्पित यह चैम्पियनशिप दिव्यांगजन के अदम्य साहस का सम्मान करते हुए समावेशिता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

ट्रंप के टैरिफ बम के कारण शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, निवेशकों के 6.60 लाख करोड़ स्वाहा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के नए ऐलान, आईटी सेक्टर के शेयरों में आई गिरावट, कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार छठे दिन गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश की, लेकिन इसके बाद पूरे दिन बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। फार्मास्यूटिकल, आईटी, मेटल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

मुंबई एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क विभाग की बड़ी कार्रवाई, करोड़ों के मादक पदार्थ और विदेशी मुद्रा बरामद

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (सीएसएमआई), मुंबई पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने 21 से 24 सितंबर के बीच की ड्यूटी के दौरान कई बड़ी कार्रवाइयां करते हुए करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ, विदेशी मुद्रा और सोना बरामद किया है। अधिकारियों ने विभिन्न मामलों में दो यात्रियों को गिरफ्तार भी किया है। दूसरे मामले में विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सीमा शुल्क अधिकारियों ने मुंबई से दुबई जा रही फ्लाइट नंबर ईके-509 के एक यात्री को रोका। यात्री के हैंडबैग बैग से 7.11 लाख भारतीय रुपए के बराबर विदेशी मुद्रा बरामद की। मुद्रा को छुपाकर ले जाया जा रहा था। तीसरे मामले में इसी फ्लाइट (ईके-509) से दुबई जा रहे एक अन्य यात्री को भी रोककर जांच की गई। यात्री के हैंड बैग से विदेशी मुद्रा बरामद हुई, जिसकी भारतीय रुपए में कीमत ?49.38 लाख बताई गई। चौथे मामले में प्रोफाइलिंग के आधार पर बैंकॉक से फ्लाइट नंबर एसक्यू-424 से आए एक यात्री को जांच के लिए रोका गया। इस दौरान यात्री के ट्रॉली बैग से 18.400 किलो हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 18.40 करोड़ रुपए आंकी गई। यात्री को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया।

कोल इंडिया ने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख के त्योहारी इनाम की घोषणा की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों ने त्योहारों से ठीक पहले अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख रुपये के प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार (पीएलआर) देने की घोषणा की। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के कोयला उपक्रमों ने अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1,03,000 रुपये के प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार की घोषणा की है। कोयला उद्योग के लिए संयुक्त द्विपक्षीय समिति की मानकीकरण समिति की 25 सितंबर को हुई छठी बैठक के बाद इस प्रोत्साहन पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पीएलआर से कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के लगभग 2.1 लाख गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों और एससीसीएल के करीब 38,000 गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को फायदा होगा। यह राशि उपस्थिति के आधार पर आनुपातिक आधार पर जमा की जाएगी। इस प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार का कुल वित्तीय भार सीआईएल के लिए 2153.82 करोड़ रुपये और एससीसीएल के लिए 380 करोड़ रुपये होगा।

योगी कैबिनेट में 22 प्रस्ताव मंजूर, कृषि खरीद से लेकर औद्योगिक निवेश तक हुए बड़े निर्णय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 22 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की गई। बैठक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत मंत्री योगेंद्र उपाध्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कैबिनेट के फैसलों की विस्तृत जानकारी साझा की। खन्ना ने बताया कि सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी मिली है, जो राज्य के आर्थिक, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान करेंगे। कृषि क्षेत्र को राहत देने वाले फैसलों ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी है। खरीफ वर्ष 2025-26 के लिए मूल्य संवर्धन योजना के अंतर्गत धान क्रय नीति की घोषणा की गई है। इसके तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 1 अक्टूबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15 अक्टूबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक धान की खरीद की जाएगी। गत वर्ष कॉमन धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2300 रुपये प्रति क्विंटल था, जो इस वर्ष बढ़ाकर 2369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी प्रकार, ग्रेड ए धान के लिए पिछले वर्ष 2330 रुपये प्रति क्विंटल के मुकाबले इस वर्ष 2389 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

रूसी कच्चे तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं: हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि रूस से कच्चे तेल की खरीद पर कोई प्रतिबंध नहीं है। आपूर्ति बाधित होने पर दुनिया को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। हरदीप पुरी ने यहां संवददाताओं से बातचीत के दौरान ईरान और वेनेजुएला के मामलों का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक समुदाय के एक जिम्?मेदार सदस्य के रूप में हमेशा अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का पालन किया है। पेट्रोलियम मंत्री ने अमेरिका के भारत पर 25 फीसदी शुल्क के अलावा रूस से कच्चा तेल एवं हथियार खरीदने पर 25 फीसदी का अतिरिक्त शुल्क लगाने के संदर्भ में यह बात कही। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार नीतियों पर जारी महत्वपूर्ण वार्ता के बीच संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पुरी ने कहा कि रूस हर दिन करीब एक करोड़ बैरल के साथ विश्व स्तर पर कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। उन्होंने आगाह किया कि यदि आपूर्ति बाधित होती है, तो विश्व को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

हरदीप पुरी ने कहा, ''ऊर्जा एक ऐसी चीज है जिसके बिना आप नहीं रह सकतेज उन्होंने कहा कि अगर आप दूसरे सबसे बड़े उत्पादक को हटा देंगे, तो आपको खपत में कटौती करनी होगी। इसके परिणाम बेहद गंभीर होंगे।'' पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि रूस से कच?चे तेल खरीद की मूल्य सीमाएं तय की गई हैं, जब भी ऐसी कोई बात होती है, तो वह भारतीय कंपनियों से कम कीमतों पर तेल खरीदने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि तुर्किये, जापान और यूरोपीय संघ सहित कई देश रूस से तेल खरीदते हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेल की मांग एवं आपूर्ति के बीच 'व्यापक संतुलन' जरूरी है। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी कच्चे तेल का मूल्य 65-68 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के बीच बना रहेगा। पुरी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां स्वतंत्र रूप से यह निर्णय लेती हैं कि वे रिफाइनिंग के लिए किस स्रोत से कच्चा तेल खरीदेंगी। इन कंपनियों के पास पेशेवर प्रबंधन और निदेशक मंडल भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास गाथा दुनियाभर में गूंज रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेज़ी से आगे बढ़ रही है। ऐसे में भारत का ऊर्जा क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से प्रेरित होकर, इस यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पूरी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और गैस कंपनियां भारत के विकास की एक मजबूज रीढ़ हैं, इनके पास एक बड़ा परिसंपत्ति और उपभोक्ता आधार है और ये भारत के कुछ सबसे बड़े ब्रांडों के मालिक होने के कारण एक मज़बूत प्रतिस्पर्धी स्थिति में हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में तीन हफ्ते की बढ़त के बाद गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 19 सितंबर को समाप्त हफ्ते में 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर रह गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने आंकड़े जारी करके बताया कि 19 सितंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर रहा है। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.69 अरब डॉलर बढ़कर 702.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 86.4 अरब डॉलर घटकर 586.15 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, देश का स्वर्ण भंडार 36 करोड़ डॉलर बढ़कर 92.77 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के अनुसार इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत की आरक्षित भंडार 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.76 अरब डॉलर पर पहुंच गया। देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

ट्रंप के टैरिफ का भारतीय फार्मा कंपनियों पर दिखा असर, दवा कंपनियों के शेयरों में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। आयातित ब्रांडेड यानी पेटेंट वाली दवाओं पर लगाया गया 100 फीसदी अमेरिकी टैरिफ एक अक्टूबर से प्रभावी होगा, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले के बाद अधिकांश दवा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। भारतीय शेयर बाजार में अधिकांश दवा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है। बीएसई हेल्थकेयर सूचकांक 2.14 फीसदी नीचे आ गया। ऐसे में आइए जानते हैं फार्मा पर टैरिफ का भारतीय कंपनियों पर कितना असर होगा और किन कंपनियों की मुश्किलें ज्यादा बढ़ सकती है। भारतीय फार्मा कंपनियों के लिए अमेरिका बड़ा बाजार है। वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत से संयुक?त राज?य अमेरिका को 3.7 अरब डॉलर का फार्मा निर्यात हुआ था। फार्मा एक्सपोर्ट में अमेरिका हिस्सा 40 फीसदी है। फार्मा एक्सपर्ट का 100 फीसदी टैरिफ लगाने पर कहना है कि इससे भारत पर सीमित असर होगा। क?योंकि, जेनेरिक दवाओं पर अभी टैरिफ नहीं लगा है। जेनेरिक दवा कंपनियों के लिए पॉलिसी रिस्क है। भारतीय दवाएं यूएस के मुकाबले 35-40 फीसदी सस्ती हैं। भारतीय

कंपनियों की अमेरिका में सस्ती हेलकेयर देने में अहम भूमिका है। अमेरिकी टैरिफ से सन फार्मा पर ज्यादा असर होगा। कंपनी के स्पेशलिटी पोर्टफोलियो बिक्री में अमेरिका का हिस्सा 19 फीसदी है। यूएस टैरिफ से सन फार्मा के मार्जिन और सेल्स पर असर पड़ सकता है। अमेरिका में सिप्ला, डॉ रेड्डीज लैब्स और ल्यूपिन की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। इन कंपनियों पर टैरिफ का बहुत ही कम असर होगा। कंपनियों की कमाई में अमेरिकी कारोबार के योगदान की बात करें, तो ग्लैंड फार्मा की आय में अमेरिकी बिक्री की हिस्सेदारी 50 फीसदी है। अरबिंदो फार्मा की कमाई में अमेरिकी कारोबार की हिस्सेदारी 48 फीसदी है।घटी दरों पर सामान न दे दुकानदार, तो 8800001915 पर शिकायत या 1915 पर करें कॉल

डॉ. रेड्डीज लैब्स की इनकम में अमेरिकी निर्यात की हिस्सेदारी 47 फीसदी है। जाइडस लाइफ की इनकम में अमेरिकी कारोबार की हिस्सेदारी 46 फीसदी है। ल्यूपिन का कमाई में अमेरिका का योगदान 37 फीसदी है। इसी तरह सन फार्मा के रेवेन्यू में अमेरिका का योगदान 32 फीसदी है। इसके अलावा सिप्ला की इनकम में अमेरिका में होने वाली बिक्री की हिस्सेदार 29 फीसदी है।

केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में बाजार से 6.77 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में 6.77 लाख करोड़ रुपये बाजार से उधार लेने की योजना बनाई है। इसमें सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड (एसजीआरबी) जारी करके 10 हजार करोड़ रुपये जुटाए जायेंगे। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने 14.82 लाख करोड़ रुपये की सकल उधारी का अनुमान जताया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में सरकार की उधारी 5 हजार करोड़ रुपये कम हुई है। इसके अलावा दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) के अनुमान में भी 5,000 करोड़ रुपये की कटौती की गई है। इससे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल उधारी का अनुमान 10 हजार करोड़ रुपये कम हो गया है। इस तरह से चालू वित्त वर्ष के लिए कुल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। यह बजट अनुमान से 10 हजार करोड़ रुपये कम होगा।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि दूसरी छमाही की कुल 6.77 लाख करोड़ रुपये ही उधार लिए गए। मंत्रालय ने कहा कि सरकार दूसरी छमाही में उधारी की योजना को 22 साप्ताहिक नीलामी के जरिए छह मार्च 2026 तक पूरा करेगी।मंत्रालय के आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर ने

रुपये की उधारी में से 10 हजार करोड़ रुपये सरकारी हरित बॉन्ड के जरिये जुटाने की योजना है। सरकार ने पहली छमाही में आठ लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना बनाई थी, जिसमें से 7.95 लाख करोड़ कहा कि कुल सकल उधारी अब 14.72 लाख करोड़ रुपये है, जो प्रारंभिक अनुमान से थोड़ा कम है। उन्होंने कहा कि सरकार राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

रुपया मामूली गिरावट के साथ बंद, यूरो और ब्रिटिश पौंड की तुलना में उछली भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर भी अमेरिकी टैरिफ का बोझ लादने से बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि, रुपये ने ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में आज के कारोबार में मजबूती दिखाई। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में सिर्फ 3 पैसे फिसल कर 88.71 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 88.68 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।

रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले सिर्फ 1 पैसे की कमजोरी के साथ 88.69 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया मामूली रिकवरी करके 88.66 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार

में बने नकारात्मक माहौल के कारण रुपया गिरकर 88.73 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 3 पैसे की कमजोरी के साथ 88.71 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में डॉलर की बात छोड़ दें तो रुपये ने ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले मजबूत प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 80.89 पैसे की बढ़त के साथ 118.45 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 55.04 पैसे की मजबूती के साथ 103.59 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि बाजार फिलहाल 1 अक्टूबर को आरबीआई द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं, जब मौद्रिक नीति समिति गिरते रुपये और व्यापार शुल्कों की अनिश्चितताओं के बीच अपने ब्याज दरों के फैसले की घोषणा करेगी। अभी यही कहा जा सकता है कि निवेशक और कारोबारी पूरी तरह से सतर्क मुद्रा में हैं, क्योंकि बाजार के सेंटिमेंट्स फिलहाल विदेशी पूंजी के प्रवाह, वैश्विक जोखिम का माहौल और भारत और अमेरिका के बीच नीतिगत मुद्दों में लगातार हो रहे बदलावों से जुड़ी है। ऐसे में फिलहाल कुछ दिन तक मुद्रा बाजार के साथ ही शेयर बाजार और कमोडिटी मार्केट में भी बड़ा जोखिम लेने से बचने की कोशिश करना चाहिए।

ई-पैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ अंतिम दिन 3.07 गुना हुआ सब्सक्राइब

एजेंसी

नई दिल्ली। ई-पैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बोली लगाने के अंतिम दिन 3.07 गुना अभिदान मिला (सब्सक्राइब) हुआ। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को 5.42 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुई हैं, जबकि प्रस्तावित शेयरों की संख्या 1.76 करोड़ थी। इस निर्गम को 3.07 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 151.2 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आंकड़ों के अनुसार इस निर्गम को 1,76,70,103 इक्विटी शेयरों के मुकाबले 5,42,98,933 बोलियां प्राप्त हुईं। इसमें योग्य संस्थागत निवेशकों और गैर-संस्थागत शेयरों को क्रमशः 5.10 गुना और 3.68 गुना अभिदान मिला है। वहीं, खुदरा शेयरों को 1.69 गुना अभिदान मिला। ये निर्गम बुधवार, 24 सितंबर को अभिदान के लिए खुला, जो आज 26 सितंबर, 2025 को बंद हो गया। ई-पैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के 504 करोड़ रुपये का ये आईपीओ 300 करोड़ रुपये की ताजा शेयर बिक्री और 204 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश का संयोजन है। इस इश्यू का मूल्य का दायरा 194-204 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस निर्गम का रजिस्ट्रार है।

सात्विक ग्रीन एनर्जी ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, पहले दिन ही 5 प्रतिशत से अधिक का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल्स बनाने वाली कंपनी सात्विक ग्रीन एनर्जी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 465 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 5 रुपये के डिस्काउंट के साथ 460 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर बिना किसी बदलाव के 465 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में इस शेयर में और गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये शेयर टूट कर 427.10 रुपये के स्तर तक आ गया। हालांकि बाद में लिवाली का सपोर्ट मिलने पर कंपनी के शेयर निचले स्तर से 12.60 रुपये की रिकवरी करके 439.70 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह

पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.44 प्रतिशत का नुकसान हो गया।

सात्विक ग्रीन एनर्जी का 900 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 10.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 5.59 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 700 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 43,01,075 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी ओडिशा के गोपालपुर में 4 गीगावाट की सोलर पीवी मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, पुराने कर्ज का बोझ कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने के लिए वार्ता जारी रखने का फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गए प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इस दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए बातचीत को जारी रखने का फैसला किया है। हालांकि, ये समझौता कब होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल के नेतृत्व में अमेरिका गया भारतीय प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों के दौरे के बाद 24 सितंबर को स्वदेश लौट आया है। उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से कई उपयोगी चर्चाएं कीं। मंत्रालय ने कहा कि इस चर्चा के दौरान दोनों पक्षों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार वार्ता (बीटीए) को जल्द ही अंतिम रूप देने के लिए बातचीत को जारी रखने का फैसला लिया है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने संयुक्त राज्य अमरीका के व्यापार प्रतिनिधि, राजदूत जैमीसन ग्रीर और भारत में नियुक्त होने वाले अमरीकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ बैठकें कीं। द्विपक्षीय व्यापार मामलों पर अमरीकी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बैठकों के अलावा प्रतिनिधिमंडल ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने पर अमेरिका स्थित प्रमुख व्यवसायों और निवेशकों के साथ चर्चा की।अमेरिका यात्रा के दौरान उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के विभिन्न पहलुओं पर अमेरिकी सरकार के साथ सकारात्मक बैठकें कीं। दोनों पक्षों ने समझौते की संभावित रूपरेखा पर विचारों का आदान-प्रदान किया और परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते के शीघ्र होने के उद्देश्य से वार्ताओं को जारी रखने पर सहमित व्यक्त की। इसके अलावा इस दौरान व्यवसायों और निवेशकों के साथ हुई बैठकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली हैं। व्यापारिक नेतृ?व ने भारत की विकास गाथा में विश्वास जताया और भारत में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को तेज करने की इच्छा व्यक्त की।

ईएसआईसी योजना से जुलाई महीने में जुड़े 20.36 लाख नए कर्मचारी

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की ईएसआई योजना के तहत जुलाई में कम से कम 20.36 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं, जो जून महीने में नामांकित कुल 19.37 लाख नए कर्मचारियों की तुलना में 4.86 फीसदी अधिक है।श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जुलाई में 20.36 लाख नए पंजीकरणों में 48.37 फीसदी 25 वर्ष से कम आयु के युवा हैं। ईएसआईसी की ओर से जारी की गई पेरोल आंकड़ों के अनुसार जुलाई, 2025 तक 31,146 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। मंत्रालय के मुताबिक ईएसआई योजना के तहत जोड़े गए नए कर्मचारियों में 25 वर्ष तक की आयु वर्ग की भागीदारी 48 फीसदी से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई महीने में जोड़े गए 20.36 लाख कर्मचारियों में से 9.85 लाख कर्मचारी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं, जो कुल पंजीकरण का लगभग 48.37 फीसदी हिस्सा है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की ओर से जारी पेरोल आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में शामिल कुल 20,36,008 कर्मचारियों में से महिला सदस्यों का पंजीकरण 4.33 लाख था। इसके अलावा जुलाई में ईएसआईसी स्कीम के तहत कुल 88 ट्रांसजेंडरों का भी पंजीकरण किया गया है।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) के अंतर्गत पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 27 लाख से अधिक किसानों के खातों में गुरुवार को 21वीं किस्त के रूप में 540 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी की। कृषि भवन में आयोजित वर्चुअल समारोह में कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्रालय संकट की इस घड़ी में आपदा प्रभावित राज्यों के साथ मजबूती से खड़ा है। जिन नागरिकों के मकान टूट हो गए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में आवास उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, मनरेगा में 150 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड हो या बाकी राज्य, इस संकट की घड़ी में कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय उनके साथ खड़ा है। किसान के लिए चाहे बीज का

सवाल हो, पंजाब को रेपसीड और सरसों के बीज का आवंटन 32 करोड़ रु. का किया गया है। क्लस्टर रिमोंटेशन के तहत अतिरिक्त आवंटन भी करेंगे। गेहूं के बीज के लिए भी लगभग 74 करोड़ रु. अलग से दिए जाएंगे। जिन लोगों के मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो गए हैं, पीएम आवास योजना में उन्हें मकान बनाने के लिए पैसा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना में 1 लाख 20 हजार रुपए के अलावा टॉयलेट की राशि अलग और 90-95 दिन की मनरेगा की राशि भी दी जाएगी। वहां के मजदूर भाई-बहनों को अगर रोजगार की जरूरत होगी तो मनरेगा में 100 दिन सालभर में रोजगार दिया जाता है, जिसे इन बाढ़ पीड़ित राज्यों में बढ़ाकर 150 दिन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पैकेज की घोषणा की है और उसी का एक हिस्सा है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि समय पूर्व किसानों के खाते में डालना, ताकि उसका उपयोग प्राकृतिक आपदा से पीड़ित किसान खेती या अन्य कामों के लिए कर सकें। पंजाब के लगभग 11 लाख 10 हजार किसानों को करीब 222 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के 8 लाख से ज्यादा किसानों को 160 करोड़ रुपये से अधिक तथा उत्तराखंड के लगभग 7.90 लाख किसानों को करीब 158 करोड़ रुपये की राशि पीएम-किसान की किस्त के रूप में उनके खातों में हस्तांतरित की गई हैं। इस राशि को मिलाकर पीएम-किसान योजना के अंतर्गत इन तीनों राज्यों के किसानों को अभी तक कुल 13,626 करोड़ रु. दिए जा चुके हैं। इस अवसर पर कृषि भवन में केंद्रीय कृषि सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, वहीं तीनों राज्यों के कृषि मंत्री और उच्चाधिकारी वर्चुअल जुड़े थे।

कोंकणा स्टारर 'सर्च' का ट्रेलर रिलीज, मर्डर मिस्ट्री संग दिखा झूठ का जाल

कोंकणा सेन शर्मा संजीदा किरदारों को बखूबी निभाना जानती हैं। हाल ही में उनकी एक अपकमिंग सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' का ट्रेलर रिलीज हुआ। जिसमें वह एक पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं, जो एक मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश कर रही है।

कॉलेज गर्ल की डेथ मिस्ट्री में उलझा कोंकणा का किरदार

सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' के ट्रेलर में कोंकणा सेन शर्मा एक पुलिस ऑफिस के रोल में हैं। वह एक कॉलेज गर्ल की मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करने की कोशिश में लगी हैं। इस राह में उसके सामने कई चुनौतियां हैं। कई लोग शक के घेरे में हैं।

मर्डर के साथ डिजिटल दुनिया के खतरे भी दिखे

इस सीरीज में एक तरफ मर्डर मिस्ट्री को दिखा गया है। साथ ही केस को सॉल्व करने के दौरान कोंकणा सेन का किरदार डिजिटल दुनिया के खतरों से भी वाकिफ होता है। इस सीरीज में सोशल मीडिया के स्याह पक्ष को दिखाने की कोशिश की गई, जिसके जाल में यंगस्टर बुरी तरह फंस जाते हैं।

कब रिलीज होगी सीरीज

कोंकणा सेन स्टारर इस सीरीज की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ ही शेयर की है। यह सीरीज जीयोहॉटस्टार पर 10 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। यह सीरीज रोहन सिप्पी ने डायरेक्ट की है।

आर्यन खान को गुस्सा नहीं आता, वो शाहरुख खान की तरह विनम्र हैं

आर्यन खान की सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आईं सहर बांबा ने इस सीरीज में काम करने का एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने आर्यन खान और शाहरुख खान संग काम का अनुभव बताया -

शिमला की पहाड़ियों से आने वाली सहर बांबा का परिवार नहीं चाहता था कि वह फिल्मों में आएं, लेकिन अनगिनत ऑडिशंस के बाद उन्होंने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड सीरीज से अपनी पहचान बना ली। पल पल दिल के पास और मिरांडा ब्रदर्स जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी सहर मानती हैं कि आउटसाइडर होने के नाते उनकी चुनौतियां अलग थीं, हालांकि नेपो किड्स के भी अपने संघर्ष होते हैं।

आठ लड़कियों के साथ रूम शेयर करती थी

मुंबई शहर में अपने सफर के बारे में सहर कहती हैं, मैंने अपने पैरेंट्स से कहा कि वो मुझे कम से कम मुंबई से अपने कॉलेज की पढ़ाई करने दें, ताकि मैं अपनी एजुकेशन के साथ-साथ ऑडिशन भी देकर खुद को आजमा सकूं। मैं मुंबई आई ऑडिशन के मकसद से और फिर ऑडिशन का सिलसिला शुरू हुआ। जब आप छोटे शहर से आते हैं, तो आपके पास उतने पैसे नहीं होते। मुंबई में शुरू में मैं जय हिंद कॉलेज के ऑपोजिट एक हॉस्टल में रह रही थी और वहां बंकर बेड थे, जहां एक कमरे में मैं 8 और लड़कियों के साथ रहा करती थी।

आर्यन खान को कभी गुस्सा नहीं आता

सहर बांबा बताती हैं कि द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का ऑडिशन उन्हें उस दौर में मिला जब लगातार ऑडिशन देने के बावजूद कुछ बन नहीं रहा था। अगस्त 2022 में कॉल आया, पहला और दूसरा राउंड हुआ, लेकिन कोई अपडेट नहीं। तीसरे राउंड का ऑडिशन खुद आर्यन खान ने लिया और तीन महीने बाद उन्होंने ही सहर को कॉल कर फाइनल होने की खबर दी। सहर कहती हैं, आर्यन से पहली मुलाकात में ही लगा कि वह कंटेंट और काम को लेकर बेहद आत्मविश्वासी हैं। काम शुरू करने के बाद तो कभी महसूस ही नहीं हुआ कि मैं किसी फर्स्ट-टाइम डायरेक्टर के साथ हूं। उन्हें हर डिपार्टमेंट की नॉलेज है और वह बिल्कुल अपने पिता शाहरुख खान की तरह विनम्र और जमीन से जुड़े हुए इंसान हैं। सेट पर टेक्नीशियन से लेकर स्टाफ तक, सभी से उनका व्यवहार बेहद अच्छा था। वह मुझे चेयर ऑफर करते, घर जाते वक्त पूछते कि गाड़ी है या नहीं और यहां तक कि मन्नत की पार्टियों में दरवाजे तक विदा करने आते। सचमुच, उन्हें कभी गुस्सा आता ही नहीं। वो एक अमेज़िंग सोल हैं।

मेरे ऑडिशंस पर मां दिन-रात प्रार्थना करती थी

सहर बांबा बताती हैं, करियर की शुरुआत में मुझे न एक्टिंग आती थी न फिल्ममेकिंग के तकनीकी पहलू समझ में आते थे। जो भी सीखा, सेट पर सीखा। पल पल दिल के पास से डेब्यू करते हुए सनी देओल और करण देओल से भी बहुत कुछ सीखा। मेरे लिए सबसे जरूरी है अपने क्राफ्ट पर लगातार काम करना। गैर-फिल्मी पृष्ठभूमि से आने के बावजूद मैं हमेशा अपने पैशन के प्रति समर्पित रही हूं। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नेपो किड का किरदार निभाने वाली सहर कहती हैं, इस रोल ने मुझे समझाया कि हर किसी का संघर्ष अलग होता है। आउटसाइडर्स की चुनौतियां अपनी जगह हैं, लेकिन इनसाइडर्स का सफर भी आसान नहीं होता। यह मानना गलत है कि नेपो किड्स को सब कुछ थाली में परोसा मिलता है। जब मुझे बैड्स... का ऑडिशन मिला और मम्मी को पता चला कि ये आर्यन खान का शो है, तो उन्होंने दिन-रात दुआ की। सच में, उनकी प्रार्थनाएं ही रंग लाई हैं।

नहीं भूल सकती मन्नत की पार्टियों का वो एक्सपीरियंस

अपने फैनडम मोमेंट को याद करते हुए सहर मुस्कुराती हैं, और कहती हैं शाहरुख खान सर तो बचपन से मेरे फेवरेट रहे हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा पल था, जब उनके घर की एक पार्टी में मैं उनके साथ 'छैंया छैंया' और 'छम्मक छल्लो' जैसे गानों पर डांस कर रही थी। वो एक्सपीरियंस मैं कभी नहीं भूल सकती। आखिरकार उन्हीं गानों को स्क्रीन पर देखकर हम बड़े हुए और अब उनके साथ थिरकने का मौका मिला, तो उस दिन मैंने खुद को चूंटी काटी थी।

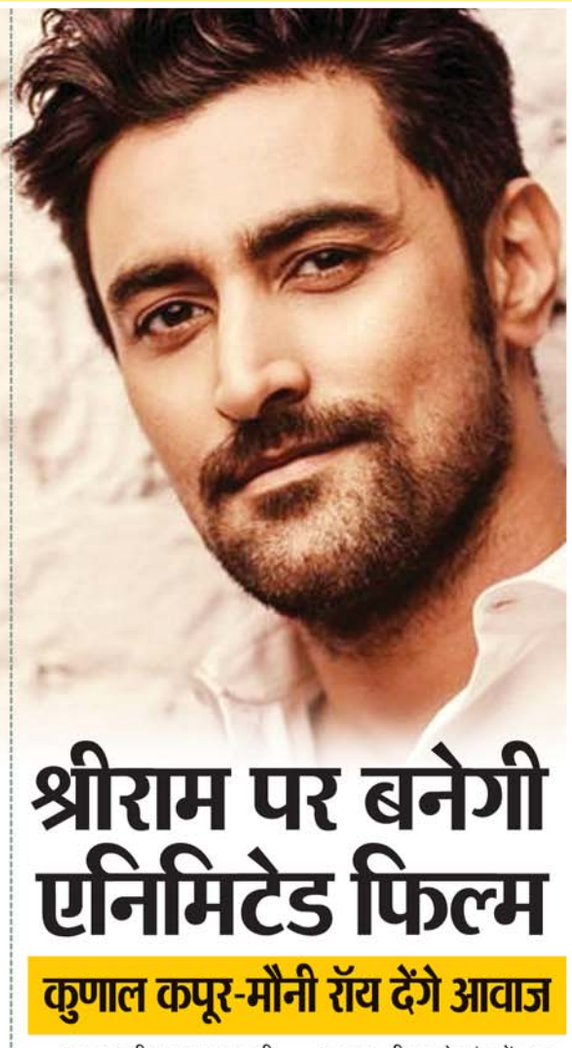

श्रीराम पर बनेगी एनिमिटेड फिल्म

कुणाल कपूर-मौनी रॉय देंगे आवाज

भगवान श्रीराम पर बन रही एनिमेटेड फिल्म 'महायोद्धा राम' का निर्माताओं ने एलान कर दिया है। साथ ही घोषणा की गई है कि कुणाल कपूर और मौनी रॉय इसमें अपनी आवाज देंगे। इतना ही नहीं मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। मौनी रॉय-कुणाल कपूर से लेकर गुलशन ग्रोवर देंगे अपनी आवाज मेकर्स ने एनिमेटेड फिल्म महायोद्धा राम का एलान किया है। इस फिल्म में कई दिग्गज एक्टर्स अपनी आवाज देंगे। फिल्म में श्रीराम की आवाज कुणाल कपूर बनेंगे, तो जिमी शेरगिल भगवान लक्ष्मण की आवाज देंगे। इसके अलावा माता सीता की आवाज मौनी रॉय बनेंगी और लंकाधिपति रावण की दमदार आवाज को गुलशन ग्रोवर देंगे। ये कलाकार अपनी वॉइस से दर्शकों को मोहित कर सकते हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म इसी साल दीवाली के मौके पर रिलीज किया जाएगी, जब भगवान श्रीराम के रंग में पूरा देश रंगा होता है। महायोद्धा राम फिल्म 17 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। साथ ही आपको बताते चलें कि ये फिल्म 3 डी वर्जन में दर्शकों को देखने को मिलेगी, जो शानदार अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। इस फिल्म का इंतजार दर्शकों को बड़ी बेसब्री से है।

फिल्म के बारे में

महायोद्धा राम फिल्म का निर्देशन रायजादा रोहित जयसिंह वैद द्वारा किया गया है। इसके अलावा फिल्म को अभिमन्यु सिंह और रुपाली सिंह द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं फिल्म का संगीत आदेश श्रीवास्तव और सौविक चक्रवर्ती द्वारा तैयार किया गया है। इसके अलावा इसे जावेद अख्तर द्वारा लिखा गया है। साथ ही आपको बताते चलें कि फिल्म को सिनेपॉलिस पिक्चर्स द्वारा समर्थन प्राप्त है।

करीना कपूर ने शुरू की 68वीं फिल्म दायरा की शूटिंग

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान, जो 25 साल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने अपनी 68वीं फिल्म दायरा की शूटिंग शुरू कर दी है। जिसकी एक खास झलक करीना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। करीना कपूर ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म दायरा के पहले दिन की शूटिंग की झलक शेयर की और कैप्शन में लिखा, दिन 1, 68वीं फिल्म, दायरा सबसे अद्भुत- प्यार और आशीर्वाद भेजें।

फिल्म दायरा के बारे में

फिल्म दायरा का निर्देशन मेघना गुलजार कर रही हैं। इस फिल्म में करीना के अलावा साउथ अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगे। दायरा एक क्राइम-ड्रामा थ्रिलर फिल्म है, जो आज के समाज की जटिलताओं को दिखाती है। यह अपराध, सजा और न्याय के बीच के संघर्ष को उजागर करती है।

फिल्म को लेकर करीना की राय

इस साल की शुरुआत में करीना ने फिल्म को लेकर इंस्टाग्राम पर लिखा था कि वह मेघना गुलजार के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं, जिनकी फिल्में जैसे तलवार और राजी उनकी पसंदीदा हैं। उन्होंने पृथ्वीराज के साथ काम करने को भी एक बड़ी उपलब्धि बताया। करीना ने 2000 में जेपी दत्ता की फिल्म रिफ्यूजी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें अभिषेक बच्चन भी थे। अब करीना अपनी 68वीं फिल्म दायरा में नजर आएंगी।

कई अच्छी विदेशी फिल्में हैं, जिन्हें लोगों ने नहीं देखा

आमिर खान ने अपने लंबे करियर में अभिनय के साथ सिनेमा को विषय की तरह समझा है। बदलते आयामों और चुनौतियों पर उनकी राय अहम है। इस खास बातचीत में उन्होंने अपने विचार साझा किए...

सिनेमा को पहले मास मीडियम कहते थे, लेकिन क्या आज भी ऐसा है?

सिनेमा को मास मीडियम कहा जा सकता है लेकिन थिएटर जाकर फिल्में देखने को मास मीडियम नहीं कह सकते क्योंकि वहां खर्चा ज्यादा होता है। आमतौर पर लोग थिएटर में ही फिल्म देखते हैं। थिएटर अपनी तरफ से कोशिश कर रहे हैं। जैसे मंगलवार को कम चार्ज करना लेकिन फिर भी लोअर मिडिल क्लास के लोगों के लिए परिवार के साथ देखना मुश्किल है। मैं चाहता हूं कि ऐसा मॉडल हो, जो हर आदमी को किफायती लगे।

क्या लाल सिंह चड्ढा जैसी बड़ी मेकर से बनवानी चाहिए थी ?

नहीं, मुझे लगता है अद्वैत चंदन ने एक अच्छी फिल्म बनाई। हम अद्वैत और पूरी टीम के साथ खड़े हैं और जिस फिल्म को हमने बनाया, उस पर हमें गर्व है। कई लोगों को फिल्म पसंद आई लेकिन उनकी तादाद कम थी। मुझे लगता है कि मैंने अपना परफॉर्मेंस बहुत हाई पिच किया और इसमें मैं असफल रहा।

क्या बहुत पुरानी फिल्मों की रीमेक में भी पोटेंशल है?

लाल सिंह चड्ढा या सितारे जमीन पर मेरी पहली रीमेक नहीं है। मैं पहले ही गजनी समेत 8-10 रीमेक कर चुका हूं। मुझे रीमेक करने में कोई परेशानी नहीं होती। जैसे हम शेक्सपियर के पुराने नाटकों को आज भी नए अंदाज में प्रस्तुत करते हैं, उसी तरह रीमेक में भी हम मूल कहानी में अपनी रचनात्मकता जोड़ते हैं। रीमेक का दौर सदा रहेगा, चाहे पुरानी फिल्म की बनाई जाए या नई की।

आपके हिसाब से लॉयल ऑडियंस को क्या चाहिए?

देखिए, सिनेमाघरों में जाने वाली मुख्य ऑडियंस आम तौर पर 12 से 22 साल के बीच की होती है। यही वह ग्रुप है जो बड़े पैमाने पर थिएटर को भरता है। इसके बाद लोग जिंदगी में व्यस्त हो जाते हैं, उनके पास समय कम होता है और कई फिल्में वे मिस कर देते हैं। यह भी सच है कि किसी को भी नहीं पता कि युवाओं का क्या चाहिए। किसी के पास इसका कोई तय जवाब नहीं है।

आपका तरीका क्या है स्क्रिप्ट्स चुनने का

मैं कभी यह नहीं सोचता कि ऑडियंस को क्या चाहिए। जब मैं मटेरियल चुनता हूं तो देखता हूं कि यह मुझे कितना टच कर रहा है, मुझे कितना पसंद आ रहा है। एक फिल्म का सफर लगभग 2 साल का होता है और मंजिल तक पहुंचेंगे कि नहीं, यह हमें नहीं पता होता लेकिन सफर अच्छा होना हमारे हाथ में है। इसलिए मैं हमेशा ऐसी फिल्में चुनता हूं और ऐसी कहानियां पसंद करता हूं जो मुझे सच में छूती हैं।

घरवाली-बाहरवाली का कलेश दिखाएगी मस्ती 4

निर्देशक मिलाप जावेरी कॉमेडी ड्रामा फिल्म मस्ती 4 का टीजर रिलीज हो गया है। इस बार फिल्म में चार गुना दोस्ती, मस्ती और कॉमेडी का ब्लास्ट है। टीजर रिलीज के पोस्ट के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा... पहले की थी मस्ती, फिर हुई ग्रैंड मस्ती, फिर ग्रेट ग्रैंड मस्ती, अब होगी ग़मस्ती 4। इस बार चार गुना शैतानी, दोस्ती और कॉमेडी धमाका। अब केवल आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। इस फ्रेंचाइज की पहली फिल्म मस्ती पहली बार 2004 में रिलीज हुई। इसके बाद इसके दो सीक्वल, ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती आए। अब रितेश, विवेक और आफताब की मशहूर तिकड़ी वापस आ रही है। इसमें श्रेया शर्मा, रूही सिंह और एलनाज नोरौजी भी हैं। इस फिल्म को जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ मिलकर बनाया है। से जी स्टूडियोज और वेवबैंड प्रोडक्शन ने मारुति इंटरनेशनल और बालाजी के साथ बनाया है

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **अजय वर्मा,** आरडीए कालोनी सी/7 टिकरापारा, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा बालाजी प्रिंटिंग प्रेस, तात्यापारा, रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित. **संपादक-अजय वर्मा, मो. 9301111001,** फोन-0771-2273322 ईमेल- cgsmnews@gmail.com